धनबाद
शनिवार 13.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-111 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-13
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

केंद्र की पूर्वोत्तर में बड़े बदलाव की तैयारी, 2027 तक हटेगा अफस्पा

असम-नागालैंड सीमा पर फिर शुरू होगा तेल-गैस उत्पादन

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर भारत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो क्षेत्र में शांति और विकास की नई दिशा देंगी। उन्होंने बताया कि वर्ष २०२७ तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) हटाया जाएगा। इसके साथ ही, केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ा तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने इस निर्णय के पीछे पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में आए उल्लेखनीय सुधार और उग्रवादी गतिविधियों में आई कमी को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न शांति समझौतों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली संभव हुई है। अफस्पा के दायरे में

लगातार की जा रही कटौती इसी प्रगति का प्रमाण है। केंद्रीय गृह मंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि यदि कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तब अगले वर्ष तक अधिकांश क्षेत्रों से यह कठोर कानून हटा दिया जाएगा।

वहीं ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दूसरी बड़ी घोषणा कर शाह ने बताया कि केंद्र सरकार तथा असम और नागालैंड की सरकारों के बीच सीमा विवाद वाले उस क्षेत्र में तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करने पर सहमति बनी है, जो लंबे समय से विवाद और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण निष्क्रिय पड़ा हुआ था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि इस क्षेत्र में १५,००० करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के तेल और गैस भंडार मौजूद हैं।

उत्पादन शुरू होने के बाद, क्षेत्र की तेल उत्पादन क्षमता वर्तमान १,०००-१,५०० बैरल प्रतिदिन से बढ़कर करीब दस गुना तक पहुंच सकती है। इस परियोजना से न केवल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। केंद्र सरकार का मानना है कि शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास के ये कदम पूर्वोत्तर भारत को देश की विकास यात्रा में एक अधिक प्रभावी और गतिशील भूमिका निभाने में सक्षम बनाएंगे।

कोलकाता के सरकारी भवन में भीषण आग, 4,000 ईवीएम जलकर खाक

मंत्री ने साजिश की आशंका जाहिर की

कोलकाता (ईएमएस): कोलकाता के अलीपुर स्थित एक सरकारी बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग में करीब ४,००० इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) जलकर राख हो गईं। राज्य के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा राज्यमंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद घटना में साजिश की आशंका जाहिर की है।

गुरुवार को सुवेंदु सरकार के मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह सामान्य आग नहीं लगती। उन्होंने विशेष रूप से आग के फैलने के पैटर्न पर सवाल उठाया, जहां दूसरी और तीसरी मंजिल से शुरू हुई आग चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को अपेक्षाकृत कम प्रभावित करते हुए सीधे ऊपरी मंजिलों (सातवीं से दसवीं) तक जा पहुंची। नष्ट हुई ईवीएम मशीनों का उपयोग हाल ही में संपन्न हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में १० विधानसभा क्षेत्रों में किया गया था। इस भीषण अग्निकांड में कई महत्वपूर्ण सरकारी फाइलें व कागजात भी जलकर खाक हो गए। अलीपुर का यह नौ मंजिला भवन दक्षिण २४ परगना जिला परिषद कार्यालय सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी विभागों का केंद्र है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की १५ गाड़ियों को कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी और गुरुवार सुबह भी कुछ हिस्सों में सुलगने की आशंका के चलते कूलिंग ऑपरेशन जारी रहा।

इस बीच, दक्षिण २४ परगना जिला ▶▶ 8

शूटर जसपाल राणा का निधन

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। १ जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में ४९ साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। जसपाल राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच थे। वे जूनियर टीम के कोच और हाई परफार्मेंस ट्रेनर भी थे। जसपाल फरवरी २०२५ से २५ मीटर पिस्टल में भारत के हाई परफार्मेंस कोच बनाए गए थे। खिलाड़ी के रूप में जसपाल राणा ने एशियन गेम्स ८ मेडल जीते। इनमें ४ गोल्ड, २ सिल्वर और २ ब्रॉन्ज शामिल रहे। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में ९ गोल्ड सहित १५ मेडल जीते। इनमें ४ सिल्वर और दो ब्रॉन्ज भी शामिल है।

भारत के खिलाफ आपके हथियारों का इस्तेमाल जयशंकर ने पश्चिमी देशों को सुनाई खरीखोटी

पाकिस्तान ने ब्रिटेन, स्वीडन, फ्रांस और चीन के हथियारों का उपयोग किया

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिमी देशों द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत की आलोचना पर कड़ा पलटवार कर महत्वपूर्ण बात कही है। उन्होंने उजागर किया कि जहां पश्चिमी देश भारत के रणनीतिक ऊर्जा फैसलों पर सवाल उठाते हैं, वहीं यूरोपीय देशों में बने हथियार अतीत में भारत के खिलाफ, विशेषकर पाकिस्तान द्वारा, इस्तेमाल होते रहे हैं, जिससे भारतीय धरती लहूलुहान हुई है।

फिनलैंड में पत्रकार द्वारा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत के रुख और रूसी तेल खरीद पर बहुत अधिक सहानुभूति रखने के आरोप के जवाब में, विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए भारत के व्यावहारिक दृष्टिकोण का दृढ़ता से बचाव किया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ यूरोपीय हथियारों के इस्तेमाल का एक लंबा और दुखद इतिहास रहा है।

खासकर जब भी भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ है, पाकिस्तान ने ब्रिटेन, स्वीडन और फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ चीन में बने हथियारों के दम पर ही भारत से लड़ाई लड़ी है। मसलन, १९६५ और १९७१ के युद्धों के दौरान, यूरोपीय देशों में बने सैन्य हथियार पाकिस्तान को बिके और बाद में भारतीय सेना के खिलाफ इस्तेमाल किए गए। फ्रांस में बने डसॉल्ट मिराज ३ और मिराज पांच फाइटर जेट्स ने १९७१ के युद्ध और बाद ▶▶ 8

घुसपैठ की कोशिश में जैश के आतंकी

सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, 13 से 15 के बीच नदी के रास्ते कर सकते हैं एंट्री

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर से सटे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक बार फिर घुसपैठ की आशंका को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकियों द्वारा १३ से १५ जून के बीच घुसपैठ की कोशिश की जा सकती है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट्स के अनुसार आतंकियों द्वारा कठुआ जिले के दलातर-फरपुर सेक्टर में उज्ह नदी के रास्ते भारत में प्रवेश करने का प्रयास किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, इस होने वाले घुसपैठ को अंजाम देने वाला समूह पाकिस्तान के सीमा से सटे चक काजियां मसूर इलाके में डेरा डाले हुए हैं और भारत की सीमा के भीतर घुसने के मौके की तलाश में है। इनपुट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों और सीमा पर तैनात बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सीमा सुरक्षा बल समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। नदी मार्गों, घुसपैठ संभावित रास्तों और सीमा के नजदीकी इलाकों में विशेष रूप से निगरानी की जा रही है। ज्यादा सतर्क ▶▶ 8

मानसून झारखंड-ओडिशा पहुंचा, 9 दिन में 19 राज्य कवर

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में इसकी एंट्री हो गई। हालांकि, महाराष्ट्र में मानसून की रफ्तार अभी थोड़ी धीमी है।

अगले ३ दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एंट्री करने की संभावना है। ४ जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून ९ दिन में १९ राज्यों तक पहुंच चुका है। बिहार में १२ जिलों में आंधी-बारिश हुई। २४ घंटे में १० डिग्री तक तापमान गिरा। बिजली गिरने से १० लोगों की मौत हो गई।

ममता बनर्जी पर अब कसा कानूनी शिकंजा

भड़काऊ बयान मामले में कोलकाता में एफआईआर दर्ज

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पार्टी के विधायक और सांसद बगावत पर उतारू हैं। बागी विधायकों ने विधानसभा में अलग गुट बना लिया है, तो बाकी सांसद भी अलग गुट बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के आरोप में कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में एफआईआर दर्ज की गयी।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगा कि उन्होंने २ जून को कोलकाता के रानी रासमनी रोड पर एक मीटिंग से बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के बारे में बिना नाम लिए विवादित बयान दिया है। उस घटना में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पहले एफआईआर सिलीगुड़ी में दर्ज की गयी थी और अब कोलकाता में एफआईआर दर्ज की गयी है। एक वकील ने ▶▶ 8

भारतीय सेना को मिले 106 कामिकाजे ड्रोन

नई दिल्ली(ईएमएस): भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्वदेशी रक्षा कंपनी एसएमपीपी ने सेना को १०६ टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 'कामिकाजे' ड्रोन सौंप दिए हैं। इन्हें 'पीसकीपर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है। यह ड्रोन १८० किमी की रेंज तक हमला कर सकते हैं। साथ ही ४५० किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकते हैं। यानी इसकी रफ्तार दुनिया में सबसे तेज उड़ते वाले पेरेग्रिन फाल्कन पक्षी की रफ्तार ३२० किमी प्रति घंटा से भी ज्यादा है। इतना ही नहीं इन पर न जैमिंग का असर होगा, न कोई स्पूफिंग के जरिए इन्हें टारगेट से भटका सकेगा। कंपनी ने कहा है कि उसने ▶▶ 8

ट्रेनिंग के दौरान धमाका

2 जवान घायल

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को एलओसी के पास धमाका हो गया। इस हादसे में सेना के दो जवान घोयल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक एलओसी के पास फॉरवर्ड एरिया में ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान अचानक ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। हादसे में घायल दोनों जवानों को पुंछ के ४२५ आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवारों की अधिसूचना जारी झारखंड की दो सीटों के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में

रांची (एजेंसी): भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव के उम्मीदवारों की अधिसूचना १२ जून को जारी कर दी है। आयोग द्वारा जारी अंतिम सूची के अनुसार दोनों सीटों के लिए कुल तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। आवश्यकता पड़ने पर १८ जून २०२६ को झारखंड विधानसभा में मतदान कराया जाएगा।

जारी अधिसूचना के मुताबिक प्रणव झा इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार हैं, जबकि बैजनाथ राम झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रत्याशी हैं। वहीं परिमल नाथवाणी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है।

गौरतलब है कि ८ जून को राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किए गए थे। स्क्रूटनी के दौरान प्रणव झा और बैजनाथ राम का नामांकन पहले ही वैध पाया गया था। वहीं परिमल नाथवाणी के नामांकन को लेकर कुछ तकनीकी आपत्तियां उठी थीं, कांग्रेस की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई थी। इस मामले में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष सुनवाई हुई और बाद में उनके नामांकन पत्र को भी वैध घोषित कर दिया गया था। अब निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद तीनों प्रत्याशी आधिकारिक रूप से चुनावी मुकाबले में आमने-सामने हैं।

विधानसभा के निर्वाचित सदस्य करेंगे मतदान

राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए झारखंड विधानसभा के निर्वाचित सदस्य मतदान करेंगे। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार यदि उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित नहीं होते हैं तो १८ जून को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद उसी दिन मतगणना कर परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ी

दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवारों के मैदान में रहने से राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। अब सभी की नजरें १८ जून को होने वाली संभावित मतदान प्रक्रिया पर टिकी हैं। कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और भाजपा समर्थित खेमों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रत्याशी अपने पक्ष में समर्थन सुनिश्चित करने के लिए विधायकों से लगातार संपर्क साध रहे हैं। दूरभाष पर बातचीत और विभिन्न स्तरों की बैठकों का दौर भी लगातार जारी है।

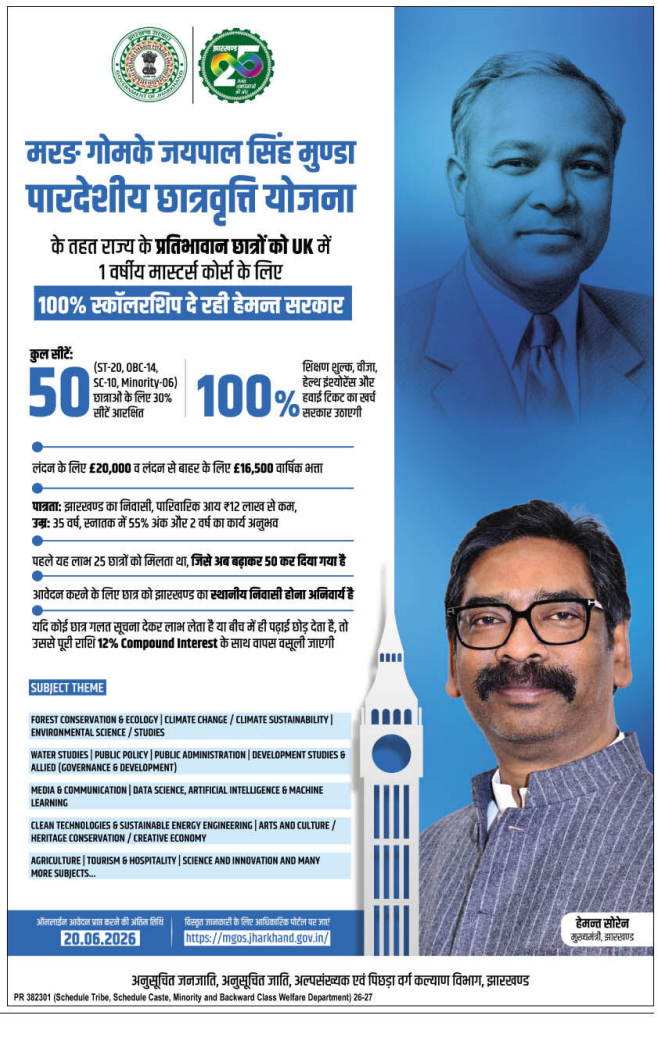

संपादकीय

तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की आवाज है अलग होना

पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के चुने हुए जनप्रतिनिधियों का जैसा रुख देखने में आ रहा है, उससे एक बार फिर यही साफ होता है कि देश की राजनीति में अब सुविधा और तात्कालिक लाभ की प्रवृत्ति तेजी से हावी होती जा रही है। इस क्रम में शुचिता, नैतिकता और सिद्धांतों की जगह सिकुड़ती जा रही है और कुछ नेताओं के लिए सत्ता का संरक्षण तथा उसकी सुविधा ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो चुकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में अट्ठावन विधायकों ने तृणमूल कांग्रेस से अलग होने की घोषणा कर दी थी।

अब पार्टी के बीस सांसदों ने भी बागी रुख अख्तियार करते हुए केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का समर्थन करने का फैसला किया है। हालांकि अलग हुए विधायकों ने खुद को इन सांसदों से अलग बताया है, लेकिन इतना साफ है कि पश्चिम बंगाल में हार के बाद पार्टी पर ममता बनर्जी का नियंत्रण कमजोर हुआ है और सबको साथ या एकजुट रख पाना उनके लिए मुश्किल साबित हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस से अलग होने वाले विधायकों और सांसदों के अपने तर्क हैं और उनका कहना है कि वे पार्टी के भीतर तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की आवाज बुलंद कर रहे हैं। सवाल है कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत की स्थिति में भी क्या इन सांसदों और विधायकों के भीतर तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की ऐसी ही फिक्र होती! लोकतंत्र के लिए इस तरह की चिंता तभी क्यों सामने दिखती है, जब चुनाव में किसी पार्टी की हार हो जाती है? यों देश के लोकतांत्रिक ढांचे में किसी नेता को यह अधिकार है कि एक पार्टी में शामिल होने या उससे

अलग होने के बारे में वह खुद क्या तय करता है।

इस लिहाज से देखें, तो तृणमूल कांग्रेस से अलग होने वाले विधायकों और सांसदों के अलग-अलग समूहों का पार्टी से नाता तोड़ना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। मगर यही जब सत्ता के साथ जुड़े रहने की सुविधा से जुड़ जाता है, तो लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ-साथ कुछ सैद्धांतिक जिम्मेदारियों से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। यह बेवजह नहीं है कि अलग होने वाले सांसदों को तृणमूल कांग्रेस की ओर से यह चुनौती दी गई है कि अगर उनके लिए सिद्धांत और नैतिकता की कोई अहमियत है, तो उन्हें इस्तीफा देकर फिर से चुनाव जीत कर आना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों से मजबूत सैद्धांतिक असहमति के बिना भी अपनी मूल पार्टी से अलग होने की एक विचित्र रिवायत-सी बनती चली जा रही है। कई नेता जिस पार्टी और उसकी नीतियों के प्रति अपनी आस्था जाहिर कर जनता से समर्थन मांगते हैं और चुनाव में जीत हासिल करते हैं, उसे एक झटके में छोड़ देने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, बशर्ते अपेक्षया ज्यादा लाभ और सुरक्षा का आश्वासन मिले। करीब चार वर्ष पहले महाराष्ट्र में सिर्फ सत्ता के लिए शिवसेना से अलग हुए गुट ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पार्टी के साथ खड़ा होना ज्यादा बेहतर समझा था। विडंबना यह है कि चूंकि दल-बदल कानून के तहत दो-तिहाई सदस्यों के अलग होने को तकनीकी तौर पर गलत नहीं माना जाता, इसलिए ऐसे नेताओं के सामने कोई अड़चन पेश नहीं आती। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर जिस तरह की उथल-पुथल चल रही है, वह भारतीय राजनीति में जड़ पकड़ चुकी ऐसी राजनीति का एक और उदाहरण है, जिसमें नीतियों और सिद्धांतों के आधार पर मतदाताओं का समर्थन तथा शुचिता पर आधारित लोकतांत्रिक परंपरा की उम्मीद बेमानी हो रही है।

एच-1बी वीजा विवाद

अमेरिका में नौकरी का सपना संजोए कुशल भारतीय पेशेवरों की उम्मीदें फिर से जिंदा हो गई हैं। वहां की एक संघीय अदालत के फैसले ने एच-1बी वीजा पाने की उनकी राह फिलहाल आसान कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पिछले साल इस वीजा के आवेदन पर लगाए गए एक लाख डॉलर के शुल्क को अदालत ने अवैध करार दिया है। साथ ही कहा कि इसके लिए अमेरिकी कांग्रेस से विधिवत मंजूरी नहीं ली गई थी।

यह फैसला भारत समेत अन्य देशों में ही नहीं, बल्कि अमेरिकी समाज के एक वर्ग में भी रोजगार-आधारित आव्रजन प्रणाली के लिए न्यायसंगत कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह बात छिपी नहीं है कि कुशल वैश्विक प्रतिभाओं का अमेरिका के प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा एवं उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और यह एच-1बी वीजा से ही संभव हो पाया है। मगर, ट्रंप प्रशासन 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के जरिए वहां की कंपनियों पर दूसरे देशों से कुशल पेशेवरों की आवक को कम करने का

दबाव बनाते रहे हैं। एच-1बी एक अस्थायी प्रवास वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को उन विशिष्ट व्यवसायों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। वहां की प्रौद्योगिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष भारत और चीन जैसे देशों से हजारों की संख्या में कुशल कर्मियों की भर्ती के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं। अमेरिका की ओर से हर साल करीब 65,000 एच-1बी वीजा जारी किए जाते हैं और इसे पाने वालों में भारतीय पेशेवरों की तादाद अच्छी-खासी होती है। मगर, ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि जो कंपनियां इस श्रेणी के वीजा पर किसी विदेशी पेशेवर को नौकरी देंगी, उन्हें एक लाख डॉलर का शुल्क देना होगा, जबकि पहले यह राशि दो हजार से पांच हजार डॉलर तक थी। उसके बाद से न केवल एच-1बी वीजा पाने वालों की संख्या में खासी कमी आई, बल्कि अमेरिका में कार्यरत कई भारतीयों को स्वदेश लौटना पड़ा। मगर, अब संघीय अदालत की ओर से इस आदेश को रद्द कर दिए जाने से भारतीय पेशेवरों को बड़ी राहत मिली है।

आज का कार्टून

इंडिया गठबंधन की बैठक के राजनीतिक मायने...

इंडिया गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ हैः सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराजगी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ़ने की कोशिश में दिखा। कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका मेंः बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया

कमलेश पांडे

विगत दो-तीन वर्षों में कांग्रेस की सियासी बिसात पर अपना अपना-सबकुछ लुटा-पिटा देने के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगियों की जो 'नई दिल्ली बैठक' हुई, उसके राजनीतिक मायने कांग्रेस के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए। क्योंकि इस बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आवाज ध्यान से सुनी गई और उनके नेतृत्व को तथा उनकी पार्टी को गाहे-बगाहे चुनौती देने वाले क्षेत्रीय दलों के सुरमा भोपाली नेता दबी जुबान में अपनी भावना प्रकट करने को अभिशप्त हुए। खासकर नेशनल कांफ्रेंस के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को छोड़कर।

इसलिए यह बैठक केवल एक नियमित विपक्षी बैठक तक सीमित नहीं रही, क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई, जब कई सहयोगी दलों और कांग्रेस के बीच मतभेदों की बढ़ती-घटती खबरें सामने आई थीं, इसलिए इसके संदेश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, 8 जून को इंडिया (ढ्ढहृष्ठ्न) गठबंधन की बैठक में लगभग 23 दलों के राजनेता शामिल हुए। बैठक में विपक्षी दलों ने अपनी एकजुटता दिखाने और आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, बैठक में लगभग 23 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिनमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सुप्रिया सुले के अलावा प्रमुख वामपंथी दलों के अनेक नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की नीतियों, विदेश नीति और मतदाता सूची पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जबकि विपक्षी दलों ने संसद और सड़क दोनों स्तरों पर समन्वित आंदोलन चलाने तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर चर्चा की। साथ ही, 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी, विपक्षी एकता और गठबंधन के भविष्य की दिशा भी बैठक के एजेंडे में शामिल रही।

बैठक के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल पर मंथन हुआ। फिर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई गई और संसद में विपक्षी दलों के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के बीच तालमेल और राजनीतिक सहयोग होने की पुष्टि की गई।

वहीं, इस बैठक की कतिपय चुनौतियां भी सामने आईं, क्योंकि जहां तमिलनाडु में सत्ता से बेदखल हुई ष्ठरूय़ ने कांग्रेस से नाराजगी होने के चलते इस बैठक से दूरी बनाई, जिससे गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चा तेज रही। वहीं, आप के सुप्रीमो अरबिंद केजरीवाल की अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। जबकि कुछ अन्य सहयोगी दलों की भूमिका और भागीदारी को लेकर भी सवाल बने रहे।

जहां तक इंडिया गठबंधन की इस बहुप्रतीक्षित बैठक के राजनीतिक मायने की बात है तो यह बैठक लोकसभा चुनाव 2024 के बाद विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण गैर-संसदीय बैठकों में से एक मानी जा रही है। जिसके माध्यम से विपक्ष ने संदेश देने की कोशिश की कि मतभेदों के बावजूद भाजपा के खिलाफ साझा मंच अभी कायम है। वहीं, भाजपा ने ष्ठरूय़ की अनुपस्थिति और अन्य अंतर्विरोधों को लेकर गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए हैं। इस बैठक के सबसे बड़े राजनीतिक निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:-

पहला, इंडिया गठबंधन अभी समाप्त नहीं हुआ हैः सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि तमाम मतभेदों, चुनावी झटकों और सहयोगी दलों की नाराजगी के बावजूद विपक्षी दलों ने एक साझा मंच बनाए रखने का निर्णय लिया। 23 दलों की भागीदारी ने कांग्रेस को यह कहने का अवसर दिया कि गठबंधन अभी भी प्रासंगिक है। दूसरा, 2029 की तैयारी अभी से शुरू हो गईः बैठक का प्रमुख उद्देश्य केवल वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर प्रतिक्रिया देना नहीं था, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी था। विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक व्यापक राष्ट्रीय नैरेटिव गढ़ने की कोशिश में दिखा।

तीसरा, कांग्रेस फिर से समन्वयक की भूमिका मेंः बैठक से यह संकेत मिला कि कांग्रेस गठबंधन की धुरी बनी रहना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी एकता पर जोर दिया और केंद्र सरकार के विरुद्ध साझा संघर्ष का आह्वान किया। चौथा, गठबंधन की कमजोरी भी उजागर हुईःएम. के. स्टालिन की डीएमके और अरविंद केजरीवाल की आप का बैठक से दूर रहना बताता है कि विपक्षी एकता अभी भी कई अंतर्विरोधों से घिरी हुई है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस बैठक का बिहार की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राजद नेता तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय मंच मिला। बैठक में तेजस्वी यादव की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि वे केवल बिहार तक सीमित नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। वहीं, बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का संदेशभी गया। ऐसे में यदि कांग्रेस, राजद और वाम दल तालमेल बनाए रखते हैं तो बिहार में एनडीए के खिलाफ विपक्षी चुनौती अपेक्षाकृत मजबूत रह सकती है।

वहीं, जाति और सामाजिक न्याय की राजनीति को भी बल मिला। क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय, जातीय गणना और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को साथ उठाते रहे हैं। बैठक से संकेत मिला कि यह विपक्ष का प्रमुख राजनीतिक एजेंडा बना रह सकता है। जहां तक 2029 के लोकसभा चुनाव पर संभावित प्रभाव की बात है तो इसका सकारात्मक पक्ष यह रहा कि भाजपा के विरुद्ध एक साझा राष्ट्रीय मंच बना रहता है। वहीं, संसदीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ सकता है। साथ ही क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच संवाद कायम रहने की संभावना बनी रहती है। वहीं, जहां तक चुनौतियों की बात है तो सीट बंटवारा सबसे बड़ी समस्या रहेगा। क्योंकि कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं, डीएमके और आप जैसी पार्टियों की दूरी गठबंधन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश यह रहा कि इंडिया गठबंधन ने अपने अस्तित्व और प्रासंगिकता का प्रदर्शन करने की कोशिश की। लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि अपने भीतर की एकता बनाए रखना है। बिहार में इसका तात्कालिक लाभ महागठबंधन को मिल सकता है, जबकि 2029 के लिए यह बैठक विपक्षी पुनर्गठन की शुरुआत मानी जा सकती है- हालांकि सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सहयोगी दल भविष्य में अपने मतभेद कितनी प्रभावी ढंग से सुलझा पाते हैं।

क्या राहुल दो-दलीय लोकतांत्रिक सिस्टम की आहट पहचान गए ?

अब आठ जून की रात इंडिया गठबंधन के सुपर स्टार राहुल गांधी जी का एक्स पोस्ट का संज्ञान लीजिए, रात 9.30 पर अपने पोस्ट में राहुल गांधी लिखते हैं कि 'यूसुफ पठान को गुजरात से अधीर रंजन के खिलाफ चुनाव लड़ाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। अधीर रंजन को हराने में ममता बनर्जी और भाजपा की राजनीतिक मशीनरी ने मिलकर भूमिका निभाई थी। यूसुफ पठान को लेकर यह धारणा लंबे समय से रही है कि वे मोदी के करीबी माने जाते हैं।' अब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच का समन्वय को समझते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अपने कोटे से तृणमूल कांग्रेस को भदोही सीट दी थी जहां ललितेश पति त्रिपाठी टीएमसी के कैंडिडेट थे।

एक देश-एक चुनाव

अवतांष चित्रांश

एक देश, एक चुनाव- का मुद्दा केवल चुनावी सुधार के सवाल तक नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों के भविष्य से भी जुड़ गया है। बिहार चुनाव से पहले जब केन्द्र की भाजपा सरकार ने जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया था। कांग्रेस और विपक्षी दल खासकर राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी ने इसका क्रेडिट खुद लिया। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश चुनाव में विधानसभा चुनाव होने से पहले ही देश का लोकतांत्रिक सिस्टम दो दलीय हो जाएगा। मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि आठ जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कांग्रेस को सलाह दी कि उसे क्षेत्रीय दलों के महत्व को स्वीकार करना चाहिए,क्योंकि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में क्षेत्रीय दलों की भूमिका निर्णायक है। बैठक के बाद जो मीडिया रिपोर्ट आई हैं उसके हिसाब अखिलेश यादव ने कहा कि क्षेत्रीय दल खुले तौर पर कहते हैं कि वे कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं, लेकिन कांग्रेस अक्सर अपने सहयोगी दलों का उसी तरह उल्लेख नहीं करती। और अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाने को कहा है।

आप कह सकते हैं कि मैं यह टिप्पणी जल्दी कर रहा हूं। लेकिन आपको यह लेख पढ़ते हुए यह याद रखना होगा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में आम आदमी पार्टी नहीं पहुंची थी जो पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सिरदर्द है। आम आदमी पार्टी की जन्मभूमि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव कांग्रेस के खिलाफ प्रचार किए थे। चलिए, आप कह सकते हैं, कि दिल्ली व उत्तर प्रदेश की राजनीति अलग है। लेकिन सवाल ये नहीं है कि दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के समीकरण क्या हैं? सवाल ये है कि बिहार, पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद क्या देश दो दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ बढ़ रहा है।

अब आठ जून की रात इंडिया गठबंधन के सुपर स्टार राहुल गांधी जी का एक्स पोस्ट का संज्ञान लीजिए, रात 9.30 पर अपने पोस्ट में राहुल गांधी लिखते हैं कि 'यूसुफ पठान को गुजरात से अधीर रंजन के खिलाफ चुनाव लड़ाने के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। अधीर रंजन को हराने में ममता बनर्जी और भाजपा की राजनीतिक मशीनरी ने मिलकर भूमिका निभाई थी। यूसुफ पठान को लेकर यह धारणा लंबे समय से रही है कि वे मोदी के करीबी माने जाते हैं।'

अब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बीच का समन्वय को समझते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अपने कोटे से तृणमूल कांग्रेस को भदोही सीट दी थी जहां ललितेश पति त्रिपाठी टीएमसी के कैंडिडेट थे। ललितेश कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलापति त्रिपाठी के परपौत्र हैं। और कांग्रेस से विधायक रहे हैं। बनारस में कांग्रेस का पर्याय रहा इनका परिवार अजय राय के उत्थान से नाराज होकर टीएमसी चला गया। ममता बनर्जी की हार के बाद अखिलेश यादव सॉलिडैरिटी में कलकत्ता पहुंचते हैं और कांग्रेस पर तंज करता हुआ एक पोस्ट करते हैं-हम मुश्किल में साथ नहीं छोड़ते हैं। राजनीतिक पंडित भले ही बैठक में अखिलेश यादव की टिप्पणी को केवल कांग्रेस की आलोचना ना माने,और मान लेते हैं कि राजनीति में मोल भाव का अपना तरीका होता है। लेकिन इंडिया गठबंधन की बैठक में क्षेत्रीय दलों की बेचैनी और बैठक खत्म होने की चंद घंटों बाद ही राहुल गांधी का ममता बनर्जी को सीधे तौर पर भाजपा का एजेंट बताना। सिर्फ सीटों की तौलाई नहीं है बल्कि क्षेत्रीय दलों के भाजपा विरोधी छवि के खिलाफ बड़ा नैरेटिव स्थापित करने का संकेत भी है। बहुत संभव है कि आने वाले कुछ दिनों में राहुल गांधी अरविन्द केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भी भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाए। यह वो संकेत है जो दो- दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की तरफ इशारा करते हैं।

इस बैठक के बाद यह तो तय है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस-आम आदमी पार्टी अलग अलग चुनाव लड़ेंगे। लेकिन राघव चड्ढा और कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा के पाले में आने के बाद समीकरण अभी और बदलेंगे। लेकिन उत्तर प्रदेश में क्या होगा? क्या समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा या कांग्रेस किसी और दल के साथ संभावना तलाश रही है। चूंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बेहद सफल रहा था। दोनों दलों ने मिलकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी और राज्य में विपक्ष की वापसी का आधार तैयार किया। इसलिए मुमकिन नहीं है कि दोनों दल गठबंधन तोड़े। लेकिन सीट बंटवारे पर खींचतान आखिरी तक जारी रहेगी। ठीक इलास्टिक की तरह, वह किस प्वाइंट पर टूटेगी ये कोई नहीं जानता है, या फिर खींचतान में लचीली हो जाए। दोनों ही स्थिति में कांग्रेस को फायदा होगा। टूट गई तो सपा खत्म और लचीली रही तो कांग्रेस को यूपी में फैलने का मौका मिलेगा। और दो-दलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की राह आसान होगी।

ऐसे में पंजाब और उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों से पहले यदि केन्द्र सरकार परिसीमन एक्ट पारित करा लेती है। चूंकि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार देशव्यापी परिसीमन 2026 में होने वाली पहली जनगणना के प्रकाशित आंकड़ों पर आधारित होना है। सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश दिया है कि 2027 की जनगणना के आंकड़े आने से पहले देशव्यापी परिसीमन नहीं हो सकता। इन सबको देखते हुए तो यही लगता है कि 2029 का लोकसभा चुनाव परिसीमन के बाद 850 सीटों पर होगा। और संभव है कि फरवरी 2027 में संभावित पंजाब, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 6 महीने के लिए स्थगित हो जाए।

हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत

कतरास (कासं) : बाघमारा के बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआटांड़हरिणा हीरक सड़क मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज धनबाद में चल रहा है। मृतक की पहचान खोनाठी बस्ती निवासी विनोद महतो के पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार देर रात एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने एक चार पहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे में सौरभ कुमार की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद हाइवा चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बरोरा थाना प्रभारी साधन कुमार के नेतृत्व में पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस ने मार्ग में लगे सीसीटीवी कैंमरों के फुटेज खंगाले और संदिग्ध हाइवा की पहचान की। जांच के दौरान दुर्घटना में शामिल हाइवा मुराईडीह वर्कशॉप के समीप लावारिस हालत में खड़ा मिला। सीसीटीवी फुटेज से मिलान के बाद पुलिस ने हाइवा को जब्त कर लिया।

इधर युवक की मौत से नाराज परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने हरिणा हीरक चौक को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दोषी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और उचित मुआवजे की मांग की। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझा कर शांत किया।

सड़क दुर्घटना में घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत

लोयाबाद (ससे) : सड़क दुर्घटना में घायल लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोडा नं० १२ निवासी अरूण कुमार मंडल की मौत इलाज के दौरान हो गई। गौरतलब है कि अरूण कुमार विगत गुरूवार को सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गया था। जिनका पाटलीपुत्र अस्पताल में ईलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि विगत गुरूवार की रात लगभग १०.३० बजे अरूण कुमार मंडल धनबाद स्टेशन से अपने मोटरसाइकिल से घर बांसजोडा आ रहे थे।

मोटरसाइकिल पर उनके पुत्र और भतीजा सवार थे। मटकुरिया चेक पोस्ट के समीप अज्ञात स्कॉरपियो के द्वारा साइड से टक्कर मार दिया गया। तीनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। स्कॉरपियो चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को पाटलिपुत्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ ईलाज के दौरान अरूण कुमार मंडल की मौत हो गयी। अरूण बांसजोडा आउटसोर्सिंग कंपनी में असंगठित मजदूर था। सूचना पर प्रसिद्ध समाजसेवी राम रहीम के द्वारा अस्पताल का बिल भुगतान करवा कर शव को बांसजोडा लाया। मृतक के परिजनों का रोसे कर बुरा हाल है।

प्रचार वाहन को डीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धनबाद (कासं) : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर से दो जागरूकता प्रचार वाहन को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, त्रुटियों के सुधार तथा मतदाता सूची को अद्यतन बनाने का कार्य किया जा रहा है।

सभी पात्र मतदाताओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की गई है। प्रचार वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों तथा शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, विशेष कैम्पों की तिथियों तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन से संबंधित जानकारी आमजनों तक पहुंचाएगा। वाहन के माध्यम से लोगों को मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के महत्व के प्रति भी जागरूक किया जाएगा।

बाल मजदूरी के खिलाफ चलाया गया जनजागरूकता अभियान

धनबाद (कासं) : विश्व बाल श्रमिक निषेध दिवस के अवसर पर झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने बाल मजदूरी के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया। रेलवे स्टेशन धनबाद में रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेल पुलिस एवं चाइल्ड लाइन, बस स्टैंड बरटांड आदि स्थानों में जगरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय, बाल कल्याण समिति में बैठक कर जून माह में सघन रेस्क्यू कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया।

झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने कहा कि जून महीने को बाल श्रम के खिलाफ एक्शन मंथ के तौर पर मनाया जाता है। बच्चों की ट्रैफिकिंग बाल मजदूरी का मुख्य कारण है, इसलिए नागरिक, समाज संगठन इस दौरान पुलिस व प्रशासन के साथ मिलकर दुर्व्यापारियों और उनके गठजोड़ की शिनाख्त के लिए कड़ी नजर रखते हैं। इस मौके पर कानून लागू करने वाली एजेंसियों और जिला प्रशासन को हरसंभव सहयोग का वादा करते हुए कहा कि शोषण व मजदूरी से मुक्त कराए गए हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार, सुरक्षा व गरिमा की आज एक बार फिर बहाली हुई है। बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन और मूल अधिकारों से महरूम कर देता है। इस समस्या से तत्काल निपटने की जरूरत है। बच्चों की जगह ढाबों और फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि स्कूल में है। हर बच्चे की देखभाल, समुचित पुनर्वास और सभी सुविधा उपलब्ध कराना दायित्व है।

मौके पर सहायक श्रमायुक्त प्रवीन कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, बाल कल्याण समिति के ममता अरोड़ा, संध्या, नीतू कुमारी, सब इंस्पेक्टर मनीषा कुमारी, जीव लाल राम, मो० शहजाद, मन्नु कुमार, झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के बिनोद महतो, सीता कुमारी, नइमुद्दीन अंसारी, दीपा रवानी, गुलनाज बानो एवं बेबी प्रियंका आदि उपस्थित थे।

बालश्रम के रोकथाम को ले सदस्यों ने ली शपथ

बलियापुर (ससे) : आशा किरण युवा संस्थान धनबाद के द्वारा बलियापुर थाना के बेलगड़िया टी. ओ. पी.में विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर बालश्रम रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बेलगढ़िया टी. ओ. पी.के प्रभारी, पदाधिकारी और आशा किरण युवा संस्थान की सचिव मालती तांती पलानी पंचायत की पूर्व उप मुखिया सीमा देवी व ब्राइटर स्टेप फाउंडेशन की सचिव मीनाक्षी सिंह, अध्यक्ष सुचेता, सदस्य अपर्णा एवं आंगनबाड़ी की सेविका दीदियों व सहिया ने तथा पोषण सखी एवम् बेलगाड़िया के ग्राम बाल संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ मिलकर शपथ ग्रहण किया गया। सभी के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि हम सभी लोग मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए बाल अधिकार से वंचित होने नहीं देंगे अपितु उन्हें बाल अधिकार को सुनिश्चित करने में नि:स्वार्थ भाव से यथा संभव प्रयास करेंगे।

एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार समाहरणालय के सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने आमजनों की समस्या सुनी। जनता दरबार में कतरास, राजगंज, बलियापुर, कुसुंडा, गोविंदपुर, कलियासोल, झरिया, सिंदरी, तोपचांची, महुदा, धैया, टुंडी, बाघमारा, बरवाअड्डा समेत जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के साथ पहुंचे। जनता दरबार में फर्जी तरीके से दाखिलखारिज करने, जबरन चहारदीवारी निर्माण, पति द्वारा भरणपोषण नहीं दिए जाने, खाता एवं प्लॉट से संबंधित त्रुटियों के संशोधन, विस्थापन, जबरन भूमि पर कैंजा, विद्यालय द्वारा अधिक शुल्क लेने, नियोजन, पेंशन, अवैध अतिक्रमण, म्यूटेशन सहित विभिन्न प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जलमीनार से जलापूर्ति के लिए पहल शुरू

गोविंदपुर (ससे) : दामकड़ा बरवा और साबलपुर में बने जलमीनार से घरघर जलापूर्ति के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने पहल शुरू कर दी है। गोविंदपुर में भी जलापूर्ति बढ़ाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। नागरिक समिति के साथ वार्ता में विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर ने कहा कि जलापूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सहायक अभियंता समरेंद्र मल्लिक और कनीय अभियंता इफ्तकार अहमद को दामकड़ा बरवा और साबलपुर की पानी टंकी से घरघर जलापूर्ति के लिए प्राक्कलन बनाने का निर्देश दिया। समिति ने कार्यपालक अभियंता को प्रस्ताव दिया कि करीब १० वर्ष पूर्व दोनों टंकी का निर्माण हो चुका है परंतु अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। यदि दोनों टंकी से जलापूर्ति शुरू होती तो बरवाअड्डा इलाका और साबलपुर तथा गोसाईडीह क्षेत्र में संकट का बहुत हद तक समाधान हो जायेगा। समिति ने कहा कि गोविंदपुर को प्रतिदिन ढाई एमएलडी पानी की आवश्यकता है परंतु विभाग द्वारा मात्र एक एमएलडी पानी दी जा रही है। इससे सालों भर पानी के लिए है तौबा मचा रहता है और क्षेत्र में बारीबारी से जलापूर्ति की जाती है। सबसे विकट स्थिति विलेज रोड की है। श्री ठाकुर ने इस संबंध में कनीय अभियंता को निर्देश दिया। वार्ता में बलराम प्रसाद साव, मोइन अंसारी, विद्युत कविराज, आनंद जायसवाल, जितेश भगत आदि शामिल थे।

गोल्फ ग्राउंड मेले में अवैध पार्किंग वसूली पर निगम का शिकंजा

धनबाद (कासं) : रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में चल रहे मेले के दौरान अवैध पार्किंग शुल्क वसूली का मामला सामने आया है।

इस पर धनबाद नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए मेला आयोजक पर जुर्माना लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। मेयर संजीव सिंह ने स्पष्ट कहा है कि निगम क्षेत्र में पार्किंग शुल्क वसूलने का अधिकार केवल नगर निगम के पास है और बिना अनुमति की जा रही वसूली पूरी तरह अवैध है। नगर निगम की जांच टीम ने मेले में पहुंचकर मामले की पड़ताल की, जहां पार्किंग शुल्क वसूल रहे लोगों ने भी स्वीकार किया कि उन्हें निगम से कोई अनुमति नहीं मिली है।

मेयर ने कहा कि पिछले वर्ष भी इसी तरह के मामले में आयोजक पर २५ हजार का जुर्माना लगाया गया था और इस बार भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वहीं मेले में स्वच्छता नियमों के उल्लंघन की शिकायतों की भी जांच की जा रही है। मेयर संजीव सिंह ने साफ कहा है कि नगर निगम की अनुमति के बिना किसी भी संस्था या व्यक्ति को पार्किंग शुल्क वसूलने का अधिकार नहीं है। निगम ने अवैध वसूली और स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के मामले को गंभीरता से लेते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की बात कही है। निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी ऐसी शिकायत मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गुणवंत राय मेहता को दी गई श्रद्धांजलि

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना दुर्गा मंदिर क्लब में, सी पी आई (एम) जिला कमिटी के वरिष्ठ नेता एवं सीटू से संबंध बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के संस्थापक सदस्य गुणवंत राय मेहता (७६) का निधन विगत ११ को एसएनएमएमसीएच धनबाद में हो गया था। उनके निधन पर लोदना दुर्गा मंदिर क्लब में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि व श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए झरिया लोकल कमिटी के साथियों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की। शोक सभा में राज्य कमिटी के सदस्य राम कृष्णा पासवान, जिला कमिटी सदस्य नारायण चक्रवर्ती, भगवान दास, प्रजा पासवान आदि शामिल थे।

शक्तिनाथ महतो दूसरी बार बने जेएलकेएम के जिला अध्यक्ष

धनबाद (कासं) : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति के अनुमोदन के बाद धनबाद जिला समिति का पुनर्गठन किया गया। संगठन को मजबूत बनाने तथा जिले में पार्टी की गतिविधियों को विस्तार देने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। संगठन के संस्थापक सह डुमरी विधायक जयराम महतो के आदेशानुसार नई सूची जारी किया गया। इसमें शक्ति नाथ महतो को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। इस तरह वह दूसरी बार जिला अध्यक्ष बने। इसके साथ ही सलाउद्दीन अंसारी, महानंद महतो, जितेंद्र कुमार नोनिया, रामप्रसाद सिंह, जगदम्बा लाल महतो को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि शेखर महतो, रोहित कुमार मंडल, सूरज महतो, संतोष कुमार राय, पंकज कुमार महतो को वरीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही उमेश महतो, सागर कुमार, मनोज कुमार महतो, महेश्वर मोदी, सोनू कुमार महतो, प्रेमानंद महतो, धिरेन कुमार महतो, अजय कुमर महतो को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, पप्पू लाल महतो को कोषाध्यक्ष तथा महेश दुबे को जिला प्रवक्ता बनाया गया है। इसके अलावा रंजीत महतो, गोविंद महतो को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

दुर्गा माता समिति ने जमीन बचाने को ले लगाया बोर्ड

बलियापुर (ससे) : सिंहदाहा पंचायत में दुर्गा माता समिति की जमीन को लेकर विवाद के बीच पंचायत के सभी प्रतिनिधियों के साथ सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए समिति की जमीन को सुरक्षित रखने की बात कही। सुभाष रवानी ने कहा कि यह जमीन वर्षों से दुर्गा माता समिति के अधीन रही है और स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़ी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भूमाफिया इस जमीन पर गलत नजर बनाए हुए हैं और इसे अवैध तरीके से बेचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समिति की जमीन किसी भी स्थिति में बेचने योग्य नहीं है और इसे बचाने के लिए सभी प्रतिनिधि एकजुट हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस क्षेत्र में सरकार की ओर से बनने वाली सड़क के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। ऐसे में जो भी मुआवजा या आर्थिक लाभ प्राप्त होगा, उसका उपयोग दुर्गा मंदिर और समिति के विकास कार्यों में किया जाएगा ताकि क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिल सके। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि लोगों को जागरूक करने और किसी भी तरह की अफवाह या गलत खरीदब्रिक्री को रोकने के लिए जमीन पर सूचना बोर्ड लगाया जा रहा है। इससे आम लोगों को जानकारी मिल सकेगी कि यह जमीन दुर्गा माता समिति की है और इसकी खरीदब्रिक्री नहीं की जा सकती। उन्होंने भूमाफियाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोयला मंत्रालय के उप सचिव ने बीसीसीएल के सीवी एरिया में टीएमसीपी गतिविधियों की समीक्षा की

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली के उप सचिव रॉबिन गांगटे द्वारा बीसीसीएल के सीवी एरिया अंतर्गत अमलगमेटेड चांच यूजी एवं लाईकडीह डीप यूजी माइंस तथा सीएमपीडीआई एक्सप्लोरेशन साइट, लाईकडीह डीप का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण टेम्परेरी माइन क्लोजर प्लान (टीएमसीपी) के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया।

दौरे के क्रम में सर्वप्रथम सीवी एरिया कार्यालय में टीएमसीपी के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। इस दौरान माइन क्लोजर से संबंधित विभिन्न पहलुओं तथा कार्यों की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही टीएमसीपी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समयबद्धता, गुणवत्ता मानकों तथा निगरानी तंत्र पर भी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

इसके उपरांत टीम द्वारा अमलगमेटेड चांच यूजी एवं लाईकडीह डीप यूजी माइंस का स्थल निरीक्षण कर माइन क्लोजर से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान टेम्परेरी माइन क्लोजर प्लान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए।

दौरे के अंतिम चरण में सीएमपीडीआई एक्सप्लोरेशन साइट, लाईकडीह डीप का निरीक्षण किया गया, जहाँ संचालित अन्वेषण कार्यों का अवलोकन करते हुए भविष्य में खदान संचालन की संभावनाओं एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया गया।

उप सचिव रॉबिन गांगटे ने कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए माइन क्लोजर से संबंधित गतिविधियों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निर्देश दिए।

इस अवसर पर महाप्रबंधक, सीवी एरिया, संजय कुमार सिंह, टीएस टू डीटी (पीपी) संजय सिंह, अतिरिक्त महाप्रबंधक शांतनु चक्रवर्ती, ओएसडी, सीसीओ, धनबाद बी. एन. पंडित, एक्टिंग आरडी, आरआई२ पार्थ दास, बीसीसीएल की एचओडी (पर्यावरण) मारिया अहसान, उपप्रबंधक (पर्यावरण) आदर्श कुमार, डीबीओसीपी के प्रोजेक्ट ऑफिसर चिरंजीब मुखर्जी, सीएमपीडीआई के एचओडी (पर्यावरण) वैभव कुमार, एरिया मैनेजर (पर्यावरण) प्रदुमन कुमार शाह, एचओडी (भूविज्ञान), सीएमपीडीआई आर.सी. अधिकारी, एरिया मैनेजर (ई एंड एम) अशोक कुमार भुनिया तथा एरिया मैनेजर (सिविल) विशाल कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा संगम के तहत मध्य प्रदेश का 56 सदस्यीय दल आईएसएम पहुंचा

धनबाद (कासं) : एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत संचालित युवा संगम फेज-६ कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश से ५६ सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल आईआईटी-आईएसएम धनबाद पहुंचा। पेनमैन ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक स्वागत किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और वन बचाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री जामुना टुडू को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए आकर्षक छऊ नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई, जिसे युवाओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी-आईएसएम धनबाद के डीन एकेडमिक प्रो. एम.के. सिंह ने की। समारोह में संस्थान के कई वरिष्ठ प्रोफेसर और अधिकारी मौजूद रहे। आईआईटी इंदौर के पांच समन्वयकों के साथ पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल का संस्थान परिवार ने गर्मजोशी से स्वागत किया। युवा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। आगामी २० जून तक झारखंड प्रवास के दौरान यह युवा दल राज्य के प्रमुख शैक्षणिक, औद्योगिक, धार्मिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेगा। प्रतिनिधिमंडल मैथन डैम, कल्याणेश्वरी मंदिर, आईआईटी-आईएसएम के जियोलॉजिकल म्यूजियम, बाबा बैद्यनाथ धाम, बासुकीनाथ मंदिर, बोकारो स्टील प्लांट, राजभवन रांची, बीआईटी मेसरा, बिरसा मुंडा संग्रहालय, पारसनाथ पहाड़ और तोपचांची डैम सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करेगा। साथ ही आईआईटी - आईएसएम के इनोवेशन सेंटर और एआई-रोबोटिक्स सुविधाओं को भी करीब से देखेगा। युवा कार्यक्रम के तहत इससे पहले झारखंड का ४२ सदस्यीय युवा दल मध्य प्रदेश और आईआईटी इंदौर के भ्रमण पर गया था। इस पहल के माध्यम से युवाओं को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपरा, शिक्षा, उद्योग और नवाचार से परिचित कराया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना और युवाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना है। युवा संगम कार्यक्रम के जरिए देश के अलग-अलग राज्यों के युवा एक-दूसरे की संस्कृति, परंपरा और विकास मॉडल को करीब से जान रहे हैं।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद में शुरू हुआ यह आदान-प्रदान कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता और युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मध्य प्रदेश से आए युवा प्रतिनिधि अगले आठ दिनों तक झारखंड की सांस्कृतिक विरासत, औद्योगिक विकास और शैक्षणिक संस्थानों का अनुभव प्राप्त करेंगे। युवा संगम कार्यक्रम के माध्यम से देश की विविधता में एकता का संदेश और अधिक मजबूत हो रहा है।

लोक संवाद में सुनी गईं जन समस्याएं 30 मामलों पर हुई सुनवाई

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ३० आवेदनों पर विस्तार से विचार करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा मामलों के शीघ्र निष्पादन पर बल दिया।

सुनवाई के दौरान बिजली, आपूर्ति, भू-अर्जन, ग्रामीण विकास, कल्याण तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से जुड़े मामलों को प्रमुखता से लिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निष्पादन प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करते हैं तथा शासन-प्रशासन के प्रति लोगों के विश्वास को बढ़ाते हैं।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनवाई की गई। कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ड्रंक एंड ड्राइव अभियान में 8 वाहन जब्त

धनबाद (कासं) : सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार बीती रात जिले में ड्रंक एंड ड्राइव के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का संचालन सीएमआरआई गेट के समीप ट्रैफिक डीएसपी रोहित कुमार साव के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान ट्रैफिक थाना प्रभारी जय प्रकाश समेत ट्रैफिक पुलिस के अन्य पदाधिकारी एवं जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अभियान के तहत देर रात तक वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस टीम ने चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की तथा वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से जांच की। इस दौरान लगभग ५ सौ से अधिक वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के क्रम में ८ वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाए गए, जिनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए उनके वाहनों को जब्त कर लिया गया। ट्रैफिक डीएसपी रोहित साव ने बताया कि नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। ऐसे मामलों में चालक स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन को भी खतरे में डाल देता है। इसी को देखते हुए जिले में लगातार जागरूकता अभियान के साथ-साथ विशेष जांच अभियान भी चलाए जा रहे हैं ताकि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़े और दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सके।

13 व 14 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर १३ जून (शनिवार) एवं १४ जून (रविवार) को विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। इस दौरान संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) दोपहर १२ बजे से शाम ०४ बजे तक मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं की मैपिंग का कार्य करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने जिले के अनमैप्ड मतदाताओं से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम मतदान केंद्र पहुंचकर मैपिंग की प्रक्रिया में भाग लें।उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, रांची - झारखंड के निर्देशानुसार सभी बीएलओ को उनके संबंधित मतदान केंद्रों की अनमैप्ड मतदाताओं की सूची उपलब्ध करा दी गई है। यह सूची विशेष कैंप के दौरान संबंधित मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। मतदाता सूची में जिन मतदाताओं की मैपिंग अभी तक नहीं हो सकी है, वे अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर सूची में अपना नाम जांच सकते हैं तथा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर अपनी मैपिंग सुनिश्चित कर सकते हैं। ताकि, एसआईआर के समय किसी तरह की कोई परेशानी हो। डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं पारदर्शी बनाना है। इसके लिए मतदाताओं के विवरण का सत्यापन एवं मैपिंग का कार्य* किया जा रहा है। उन्होंने सभी अनमैप्ड मतदाताओं से विशेष रूप से अपील की कि वे १३ एवं १४ जून को आयोजित विशेष कैंप का लाभ उठाएं और अपनी मैपिंग अवश्य कराएं।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी इस संबंध में जागरूक करने तथा अधिक से अधिक संख्या में विशेष कैंप में भाग लेने की अपील की है।

भारतीय नौसेना के टैंकर के फ्यूल टैंक में फंसा जिंदा मिसाइल वारहेड

नई दिल्ली,(ईएमएस): भारतीय नौसेना ने एक कच्चे तेल के टैंकर पर मौजूद बिना फटे वाले मिसाइल वारहेड को बरामद कर सुरक्षित रूप से निस्तारित कर दिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने ओमान के तट के नजदीक इस तेल टैंकर ने ढांचे में विस्फोट की सूचना दी थी और उसके बाद कोच्चि को बढ़ गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर 'एमटी ओलंपिक लाइफ' संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह से कोच्चि आ रहा था, तभी २६ मई को ओमान के तट के पास उसके निचले हिस्से में धमाके की सूचना मिली। इस टैंकर पर कोई भी भारतीय नागरिक सवार नहीं था। प्रवक्ता ने बताया कि इसके बाद, कोच्चि की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हुए जहाज ने बिना फटे आयुध के होने की सूचना दी।

कोच्चि स्थित भारतीय नौसेना के दक्षिणी कमान ने स्थिति का जायजा लेने के लिए विस्फोटक निस्तारण की एक विशेषज्ञ टीम तैनात की। टीम ने पुष्टि की है कि एक मिसाइल वारहेड जहाज के ढांचे को भेद कई संरचनात्मक कक्षों से होकर गुजरा और एक ईंधन टैंक के अंदर फंस गया। प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद, ईओडी टीम ने विस्फोट तंत्र की पहचान करने और उसे अलग करने के लिए उन्नत नैदानिक विधियों का इस्तेमाल किया।

किसान गोष्ठी का आयोजन

बलियापुर (ससे) : कुसमाटांड़ पंचायत भवन में खेती बचाओ अभियान के तहत किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक डॉ आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने लोगों को संबोधित करते हुए खरीफ फसल जैसे धान मक्का अरहर आदि फैसलों के बारे में विस्तार ढंग से बताया। मौके पर बीटीएम देवेंद्र कुमार, सुनील महतो, गोपाल महतो, सुभाष महतो, शंभू महतो, सुरेश महतो, नरेश महतो आदि थे ।

संथाल समाज का प्रतिनिधिमंडल सीओ से मिला

बलियापुर (ससे) : संथाल समाज का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को

बलियापुर सीओ मुरारी नायक से मुलाकात कर मानकी, मुंडा, मांझी हाड़ाम, नायकी एवं अन्य के मानदेय यथाशीघ्र भुगतान एवं उप स्वास्थ्य केंद्र पाडिडीह में निर्माण कराने संबंधी वार्ता हुई। सीओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अमीन को उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण हेतु आदेश दिया गया। मौके पर पूर्व मुखिया समीर कुमार मुर्मू, राजेंद्र किस्कू, नुनु लाल हेम्ब्रम, सोनाराम मुर्मू, नरेश हेंब्रम, रमेश मरांडी, सुभाष मुर्मू आदि मौजूद थे।

करमाटांड़ के ग्रामीण विधायक से मिले

बलियापुर (ससे) : करमाटांड़ हुचूकटांड़ बस्ती के ग्रामीणों ने सड़क समस्याओं के समाधान की दिशा में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो से मिला। कहा कि करमाटांड़ के हुचुकटांड़ जाने वाली सड़क कच्ची है। बरसात के दिनों में लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायक ने सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया।

केन्द्र सरकार के गलत नीति से आम जनता परेशान : चन्द्रदेव महतो

बलियापुर (ससे) : केन्द्र सरकार के गलत नीतियों के कारण आम जनता परेशान हैं। मंहगाई की मार से जनता त्रस्त है। उक्त बातें

सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने भाकपा माले द्वारा डांगापाड़ा में आयोजित सेमिनार में कही। शहीद विभूति महतो की याद में आयोजित सेमिनार में विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार लोकतंत्र विरोधी प्रोपेगेंडा अपना रही है।

जहां विपक्ष, छात्र, किसान, मजदूर, नौजवान और महिलाओं की आवाज को दबाया जा रहा है। सरकार के गलत रवैये, योजनाओं और कानूनों का विरोध करने वालों को टारगेट कर उन पर दबाव बनाया जा रहा है। सेमिनार में वक्ताओं ने बारीकी से इन सभी समसामयिक राजनीतिक और भौगोलिक परिस्थितियों पर अपनी बात रखी। भविष्य के संघर्षों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार किया गया। डीवीसी की मनमानी के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्षता गणेश महतो व संचालन देवाशीष पांडेय ने किया। मौके पर सकूर खान, मेघु महतो, काली महतो, रतन महतो, शीतल दत्ता, हीरालाल मोदक, विजय रजक, विमल कुमार, मंगल महतो, बबूल महतो, सीमा देवी, सुनील महतो आदि मौजूद थे।

टीएमसी के पूर्व विधायक के घर सरकारी राहत सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सरकारी राहत सामग्री के कथित दुरुपयोग से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया। हुगली जिले के तारकेश्वर क्षेत्र में पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक रामेंदु सिंह रॉय के घर के पास मौजूद एक कॉलेज परिसर में छापेमारी कर भारी मात्रा में सरकारी राहत सामग्री बरामद की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान परिसर से बड़ी मात्रा में ऐसी सामग्री बरामद हुई, जिसे सरकारी राहत वितरण योजनाओं के तहत जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाना था। बरामद सामान में विभिन्न प्रकार की राहत सामग्री शामिल है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक बरामद सामग्री की पूरी सूची और उसकी मात्रा का आधिकारिक विवरण जारी नहीं किया है। इस बरामदगी के बाद पुलिस ने पूरे परिसर को अपने नियंत्रण में लेकर गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह सरकारी राहत सामग्री वहां कैसे पहुंची, इस किस उद्देश्य से जमा किया गया था, और क्या इसके वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है।

घटना के राजनीतिक महत्व को देखकर विभिन्न दलों की मामले पर कड़ी नजर है। चूंकि यह बरामदगी पूर्व टीएमसी विधायक के आवास के निकट हुई है, इसलिए जांच एजेंसियां सभी संभावित पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। हालांकि, अभी तक पूर्व विधायक या उनकी ओर से मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलते हैं, तब संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे। मामले की संवेदनशीलता को देखकर वरिष्ठ अधिकारी भी जांच की निगरानी कर रहे हैं। यह बरामदगी राज्य में सरकारी राहत सामग्री के भंडारण और वितरण व्यवस्था पर नए सवाल खड़े करती है, जिसकी पूरी तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

इजरायल में लगेगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (ईएमएस): इजरायल ने अपने देश के एक प्रमुख शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की है। यह घोषणा मुंबई में आयोजित शिव राज्याभिषेक दिवस कार्यक्रम के दौरान इजरायल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक स्मारक नहीं होगी, बल्कि भारत और इजरायल के लोगों को जोड़ने वाला एक दीर्घकालिक सांस्कृतिक सेतु बनेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि राज्य सरकार प्रतिमा निर्माण और उससे जुड़े ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं में पूरा सहयोग देगी।

पंडित कृष्ण मोहन पाठक को मिलेगा प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

बोकारो (ससे): ध्रुपद गायन की प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले प्रख्यात ध्रुपद गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक का चयन वर्ष २०२५ के प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए किया गया है। हिंदुस्तानी वोकल ध्रुपद के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए संगीत नाटक अकादमी द्वारा उन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। उल्लेखनीय है कि संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भारत सरकार द्वारा संगीत, नृत्य एवं रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों को प्रदान किया जाने वाला देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है।

बोकारो व झारखंड के प्रसिद्ध तबला वादक पं राम वचन पाठक (पं बच्चन जी महाराज) के बड़े भाई व वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक को प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा से संगीतज्ञों व कला जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। ध्रुपद के महानायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक को प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित होना भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

पंडित कृष्ण मोहन पाठक गया घराने के वरिष्ठ संगीतज्ञ हैं और पिछले चार दशकों से ध्रुपद संगीत की साधना में निरंतर समर्पित हैं। अपनी विलक्षण गायकी, गंभीर आलाप, सशक्त लयकारी तथा ध्रुपद की पारंपरिक शैली के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। संगीत प्रेमियों और विशेषज्ञों का मानना है कि पंडित पाठक ने ध्रुपद जैसी प्राचीन विधा को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए इसे देश-विदेश के श्रोताओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत के अनेक प्रतिष्ठित संगीत समारोहों के साथ-साथ विदेशों में भी भारतीय शास्त्रीय संगीत का सफल प्रतिनिधित्व किया है। उनकी प्रस्तुतियों ने न केवल पारंपरिक संगीत प्रेमियों को प्रभावित किया, बल्कि युवा पीढ़ी को भी ध्रुपद संगीत की ओर आकर्षित किया है।

सम्मान की घोषणा के बाद पंडित पाठक ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके गुरुओं, परिवार तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा का सम्मान है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन ध्रुपद संगीत के संरक्षण, संवर्धन तथा भावी पीढ़ियों को इस महान परंपरा से जोड़ने के लिए समर्पित रहेगा। उन्होंने भविष्य में युवा कलाकारों के लिए संगीत शिक्षा एवं प्रशिक्षण के व्यापक प्रयास करने की भी बात कही। पंडित कृष्ण मोहन पाठक के सुपुत्र पं शैलेन्द्र कुमार पाठक भी ध्रुपद-धमार के जाने-माने गायक हैं।

बरनवाल समाज द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन

डुमरी (ससे): बरनवाल सेवा सदन के तत्वावधान में आयोजित समर कैम्प का समापन किया गया जिसमें सेवा सदन का लोगो का अनावरण भी किया गया। अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवराम निशांत विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार सेवा सदन अध्यक्ष सूरज बरनवाल सेवा सदन सचिव सौरभ कुमार शानू युवक संघ अध्यक्ष विवेक कुमार युवा महिला अध्यक्षा दीपमाला बरनवाल महिला अध्यक्षा संगीता बरनवाल सचिव डा लक्खी गुप्ता ट्रस्टी विजय बरनवाल कोषाध्यक्ष रंजीत सूर्यवंशी,संजीत चेतानी आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा सदन सचिव सौरभ कुमार शानू युवा महिला उपाध्यक्ष रेखा बरनवाल,निर्मला बरनवाल, मीरा बरनवाल, मितु बरनवाल, लक्ष्मी बरनवाल,अंशू बरनवाल, प्रियंका बरनवाल, अंजू बरनवाल, सुषमा बरनवाल, विवेक बरनवाल, बिक्रम बरनवाल,उमेश प्रसाद बरनवाल, महेंद्र बरनवाल,दीपक कुमार, परवीन कुमार,राकेश कुमार पीकू,शशिकांत बरनवाल,धनंजय कुमार,अमन आर्या,शुभम कुमार, पंकज कुमार आदि का सराहनीय योगदान रहा।कैम्प के प्रतिभागियों को स्वाति बरनवाल के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।समर कैंप के व्यवस्थापक महिलाओं को सेवा सदन के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।श्री भारतवर्षीय बरनवाल युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवराम निशान्त के द्वारा समय कैंप के सफल संचालन के लिए सेवा सदन अध्यक्ष सूरज बरनवाल, सचिव सौरभ कुमार शानू को मेमेन्टो देकर सम्मानित किया गया तथा कार्य की सराहना की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा सदन अध्यक्ष सूरज बरनवाल व मंच संचालन पवन कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

एसएसपी ने किया केंदुआडीह थाना का निरीक्षण

केंदुआ (ससे) : धनबाद जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को और लोगों को पुलिस से जुड़ी सेवाएं समय पर और बिना किसी

अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने केंदुआडीह थाना का औचक निरीक्षण किया। थाना पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद एसएसपी ने थाना परिसर का भ्रमण कर वहां की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना में संधारित अभिलेखों, अपराध पंजी, लंबित कांडों की स्थिति, वारंट एवं कुर्की निष्पादन, शिकायतों के निपटारे, मालखाना, हाजत तथा थाना परिसर की साफसफाई का जायजा लिया। उन्होंने थाना में आने वाले फरियादियों की शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया की भी जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आम परेशानी के उपलब्ध हों।

एसएसपी ने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनना तथा शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अपराध नियंत्रण,कानूनव्यवस्था संधारण और लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर भी आवश्यक दिशानिर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान थाना क्षेत्र में घटित प्रमुख घटनाओं, अपराध की वर्तमान स्थिति तथा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा भी की गई। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित गश्ती, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव और मजबूत हो सके।

उन्होंने कहा कि थाना पुलिस की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए जिससे आम लोगों का विश्वास पुलिस पर और अधिक बढ़े। बेहतर पुलिसिंग, अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए जनता को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में सभी अधिकारियों और जवानों को समर्पित भाव से काम करना चाहिए।इस अवसर पर केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पाण्डेय सहित थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने अधिकारियों और जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने की सलाह दी।

डिजिटल पुलिसिंग में उत्कृष्ट योगदान पर चार पुलिसकर्मी सम्मानित

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस के डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन अभियान को नई मजबूती देते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने चार पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। चार्जशीट एवं अंतिम प्रतिवेदन से संबंधित लीगेसी डेटा के अंतर्गत इंटेग्रेटेड इंफोर्मेशन फॉर्म - वी की ऑनलाइन प्रविष्टि के महत्वपूर्ण कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले इन पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

धनबाद पुलिस द्वारा पुराने लंबित अभिलेखों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अद्यतन करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विभिन्न थानों की सीसीटीएनएस शाखा में कार्यरत पुलिसकर्मियों ने उल्लेखनीय तकनीकी दक्षता, मेहनत और समर्पण का परिचय देते हुए बड़ी संख्या में कांडों की ऑनलाइन प्रविष्टि सफलतापूर्वक पूर्ण की।

इस क्रम में पाथरडीह थाना के आरक्षी संख्या २३४८ शंकर कुमार महतो ने १० कांडों, केंदुआडीह थाना के आरक्षी संख्या १३२६ अफ़ज़ल हुसैन ने १७ कांडों, तेतुलमारी थाना के सीसीटीएनएस ऑपरेटर आरक्षी संख्या १०८७ नसीरुद्दीन ने २३ कांडों तथा राजगंज थाना के आरक्षी संख्या १३३१ परमेश्वर गोप ने २९ कांडों की ऑनलाइन प्रविष्टि कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

इन पुलिसकर्मियों के प्रयासों से वर्षों पुराने अभिलेखों को डिजिटल रिकॉर्ड में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को उल्लेखनीय गति मिली है। इससे रिकॉर्ड प्रबंधन अधिक व्यवस्थित होने के साथ-साथ अनुसंधान, समीक्षा और न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं दक्षता भी बढ़ेगी। डिजिटल रिकॉर्ड की उपलब्धता से मामलों की निगरानी और निष्पादन में भी काफी सुविधा होगी।

इस अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार ने सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जो पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन मेहनत, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे, उन्हें भविष्य में भी प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस प्रकार के प्रयास विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, गति और कार्यकुशलता को और सुदृढ़ करेंगे तथा डिजिटल पुलिसिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

योजनाओं के लिए तैयार करें लैंड बैंक, अधिकारियों को डीसी का निर्देश

पुटकी (ससे) : पुटकी प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित गर्भुडीह सभागार में जिला प्रशासन की अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, डीडीसी सन्नी राज, पुटकी सीओ विकास आनंद समेत कई वरीय अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए गए।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि धनबाद प्रखंड, धनबाद अंचल और पुटकी अंचल के कार्यों की समीक्षा की गई है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लैंड बैंक तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि राज्य और केंद्र सरकार की किसी भी नई योजना के लिए जमीन उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में पेयजल समस्या के समाधान को प्राथमिकता दी जा रही है। जिन इलाकों में पानी की अधिक समस्या है, वहां टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों के दौरान जिले में तीन हजार से अधिक चापाकल, जलमीनार और सोलर जलमीनार से जुड़े कार्य पूरे किए गए हैं। उपायुक्त ने यह भी कहा कि गर्भुडीह क्षेत्र में पेयजल संकट की समस्या प्रशासन के संज्ञान में है और इसके समाधान के लिए जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जिले में विकास योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। पुटकी में आयोजित इस समीक्षा बैठक में विकास योजनाओं की प्रगति, भूमि उपलब्धता और पेयजल व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रशासन ने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए हैं।

कोयलांचल की समृद्धि व विकास में श्रमिकों का योगदान अतुलनीय : विधायक

कतरास (ससे) : यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के तत्वावधान में डुमरा गेस्ट हाउस में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बैठक में श्रमिकों और विस्थापितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल और रणनीति पर विचारविमर्श किया गया। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि कोयलांचल की समृद्धि और विकास में श्रमिकों का योगदान अतुलनीय है। उनके हितों, अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध हूं। किसी भी श्रमिक के साथ अन्याय या शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनकी हर जायज मांग को मजबूती से उठाया जाएगा।

दिव्यांग सलमा खातून को मिला डालसा का सहारा

धनबाद (कासं) : सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगातेलगाते थक गई दिव्यांग सलमा खातून को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध

करा दिया गया है। दिव्यांग प्रमाण पत्र मिलने के बाद सलमा काफी खुश नजर आई। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि सलमा खातून के दिव्यांग होने एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहने की सूचना प्राप्त होते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। क्षेत्र के अधिकार मित्र ओमप्रकाश दास को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उनके प्रयास तथा संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से सलमा खातून का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाकर उपलब्ध करा दिया गया। न्यायाधीश ने बताया कि प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब उन्हें विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अतिरिक्त सलमा खातून के तीन बच्चों को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है।

शतप्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को डालसा ने जीवन जीने की नई उम्मीद दी है। धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर शतप्रतिशत

पेयजल समस्या को लेकर झमाडा एवं जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

कतरास (ससे) : गज़लीटाड़ क्षेत्र में व्याप्त पेयजल समस्या को लेकर झमाडा के कनीय अभियंता करवन कुमार तथा वार्ड संख्या-५ की पार्षद निरुपमा देवी ने अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलालीपट्टी अंगारपथरा के समीप पाया गया कि पूर्व में भेल के सहारे १४ इंच पाइप लाइन के माध्यम से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की जाती थी। लेकिन लगभग १० वर्ष पूर्व एरिया४ अंतर्गत डेको कंपनी की आउटसोर्सिंग परियोजना के दौरान पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके कारण नियमित जलापूर्ति बाधित हो रही है।

स्थानीय ग्रामीणों ने पार्षद निरुपमा देवी से मांग की कि बीसीसीएल प्रबंधन के माध्यम से नई पाइप लाइन की व्यवस्था कराकर क्षेत्र में सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

इस संबंध में तेतुलमारी झमाडा प्रभारी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर विभाग पूरी तरह सजग एवं तत्पर है। उन्होंने कहा कि गज़लीटाड़ में लगभग ६०० परिवार निवास करते हैं और उनकी पेयजल समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान श्रीकांत सिंह, अजय सिंह, समाजसेवी सोनी पासवान सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

गोदभराई कार्यक्रम में महिलाओं को मिला पोषण किट

सिंदरी (ससे) : सिंदरी स्थित विद्यापति कॉन्फ्रेंस हॉल में हिंदुस्तान एंडेरियन केमिकल लिमिटेड (एचयूआरएल) के सीएसआर सहयोग से एचएलआईपीटी संस्था द्वारा संचालित सेहत फ्रेंड कार्यक्रम के तहत गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में २० गर्भवती महिलाओं को गोदभराई कर उन्हें दर्शनीय किट प्रदान की गई तथा सुरक्षित आश्रम एवं संस्थागत आहार के प्रति सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में एचआरएल के निदेशक प्रमुख विक्रांत कुमार, प्रबंधक आशा सिंह, उपप्रबंधक अरिंदम मुखर्जी, आकाश एवं प्रतुक सिंह के अलावा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा सांख्यिकी डॉ. रूपक राजन उपस्थित थे। इस अवसर पर विक्रांत कुमार ने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ एवं जीवंत जीवन वाले बच्चों का निर्माण करती है। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिलाओं से आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वयं की देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मां और बच्चे दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही पोषण बेहद जरूरी है। वहीं डॉ. रूपक गर्भावस्था ने गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, स्वदेखभाल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान और उसके बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

एचएलआईपीटी संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार सिंह ने कार्यक्रम के संचालन में बताया कि सांस्कृतिक किट में चना, गुड़, आटा, खजूर और काजू शामिल हैं, जो गर्भवती महिलाओं को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराने में सहायक हैं। उन्होंने महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की सलाह के नियमित सेवन, समय पर स्वास्थ्य जांच और आहार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था के समीर कुमार, गणेश झा, स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी, कर्मचारी, सहिया कार्यकर्ता, गर्भवती महिलाएं और उनके बच्चे मौजूद थे।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : ९० दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत डालसा सचिव के आदेशानुसार टारगेट वेल क्लासेस कोचिंग, नवागढ़ में एक विशेष कानूनी साक्षरता शिविर सह निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूरे विश्व में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है, इसलिए कोचिंग के बच्चों के बीच इसी प्रासंगिक विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जागरूकता सत्र: प्रतियोगिता के साथ-साथ उपस्थित बच्चों को बाल श्रम कानून, शिक्षा के अधिकार और मुफ्त कानूनी सहायता हेल्पलाइन नंबर १५१०० के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बेहद उत्साह के साथ भाग लिया।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह कल

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आगामी १४ को संध्या ५ बजे से राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनसार, धनबाद में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। इसी आयोजन के संदर्भ में अग्रसेन भवन हीरापुर में आयोजित कॉन्फ्रेंस में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने बताया की इस गरिमामयी अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों शैक्षणिक, खेल, कला, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले बालकबालिकाओं एवं युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। प्रेस वार्ता में चेतन गोयनका अध्यक्ष धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन, कृष्णा अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष, दीपक रुईया संयोजक समेत धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अन्य सदस्य मौजूद थे।

चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १२४४ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया।

रेल मंडल में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिनसत चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप १२७३ यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे।

कोयलांचल सुपर किंग्स की लगातार दूसरी जीत

धनबाद/रांची (कासं) : जेएससीए द्वारा आयोजित टी२० क्रिकेट लीग में कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम ने छोटानागपुर रॉयल्स की टीम को पांच विकेट से हरा लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम ने अपने पहले मैच में जमशेदपुर स्टिलर्स की टीम को १२२ रनों के भारी अंतर से हराया था। वही अपने अपने दूसरे मैच में छोटानागपुर रॉयल्स की टीम को पांच विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए छोटानागपुर रॉयल्स की टीम १९.४ ओवर में १९० रन पर ऑल आउट हो गई। वही लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम ने १९.१ ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर १९२ रन बना लगातार अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पहले गेंदबाजी करते हुए कोयलांचल सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमे शुभ शर्मा ने ३ विकेट, उत्कर्ष सिंह, हर्ष राज और अमित कुमार ने २२ विकेट लिए जबकि राहुल प्रसाद ने १ विकेट लिया।

वही दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरे ओपनर बल्लेबाज कप्तान उत्कर्ष सिंह और शरणदीप सिंह ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए १२२ रनों की साझेदारी की। कप्तानी पारी खेलते हुए उत्कर्ष सिंह ने ३२ गेंदों में ५३ रन बनाए वही पिछले मैच में शतक बनानेवाले शरणदीप सिंह ने ५० गेंदों में ७९ रनों की पारी खेली। वही मैच में शुभ शर्मा ने नाबाद ३१ रन, लक्ष्य ने १६, योगेश ने १ जबकि सन्नी ने नाबाद ८ रनों की पारी खेली । वही टीम को मिली लगातार दूसरी जीत पर ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के सीएमडी सह फ्रेंचाइजी ऑनर श्याम पांडेय, सीईओ राम प्रताप सिंह, डायरेक्टर महेश मोदी, भानु प्रताप सोनी सहित ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों ने टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

झाकोमयू ने किया मिलन समारोह का आयोजन

पुटकी (ससे) : पुटकी बलिहारी क्षेत्र के पुटकी मिडिल स्कूल में झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन का मिलन समारोह सह संगठन सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक में, सदस्यता अभियान एवं क्षेत्रीय समिति विस्तार पर जोर दिया गया कार्यक्रम का संचालन जोनल सदस्य सह क्षेत्र संख्या६ सचिव अजय रवानी जी द्वारा किया गया।मुख्य रूप से जोनल अध्यक्ष उमाशंकर चौहान उपस्थित थे।

कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं एवं संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, श्रमिक हितों की रक्षा, सदस्यता अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने तथा कोलियरी स्तर से जिला स्तर तक संगठन को प्रभावशाली एवं जनआधारित स्वरूप प्रदान करने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पुटकी बलिहारी क्षेत्रीय समिति के गठन एवं विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण विचारविमर्श हुआ तथा संगठन को प्रत्येक कार्यस्थल, बस्ती एवं श्रमिक समुदाय तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।सभा को संबोधित

करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों की एकता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा, सम्मान, रोजगार, सामाजिक न्याय एवं कल्याणकारी सुविधाओं के लिए एक मजबूत संगठन का निर्माण समय की आवश्यकता है। युवाओं को संगठन से जोड़कर उन्हें नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।कार्यक्रम में यह निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में व्यापक सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक श्रमिकों, युवाओं एवं समाज के जागरूक लोगों को झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन से जोड़ा जाएगा तथा क्षेत्रीय एवं कोलियरी स्तरीय समितियों का विस्तार कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन मजदूरों की समस्याओं, अधिकारों एवं जनहित के मुद्दों को मजबूती के साथ उठाते हुए क्षेत्र में एक सशक्त एवं विश्वसनीय श्रमिक संगठन के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

कार्यक्रम मेंजोनल सदस्य महादेव हांसदा, चांद परवेज, मिथुन यादव, जितेंद्र पासवान, अमरजीत पासवान, शंभू पासवान, सूरज पासवान, नन्हे अंसारी, नीरज तांती, इंदू यादव, सुमित पासवान, भीम यादव, फिरोज खान, सोनू यादव, विनय सिंह, गौतम लायक आदि उपस्थित थे।

अमरनाथ यात्रा: सुरक्षा और व्यवस्था पर अमित शाह की उच्चस्तरीय समीक्षा

.नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस महत्वपूर्ण बैठक में यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, तीर्थयात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक और सेना प्रमुख सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने अधिकारियों से यात्रा मार्गों पर सुरक्षा प्रबंधों, निगरानी व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तैयारियों और तीर्थयात्रियों को उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य तथा अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विशेष जोर दिया कि श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव मिले।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में यात्रा के दौरान सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों की कड़ी निगरानी, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही, मौसम संबंधी चुनौतियों और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक समन्वित कार्ययोजना की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

केंद्र सरकार ने अमरनाथ यात्रा के सफल और सुरक्षित संचालन के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बैठक में शामिल सभी अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के सख्त निर्देश भी दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो

सीबीएसई की पोल खोलने वाले छात्र को मिली आईआईटी कानपुर में नौकरी

नई दिल्ली,(ईएमएस): सीबीएसई पोर्टल की सुरक्षा में खामी उजागर कर चर्चा में आए १९ वर्षीय छात्र निसर्ग आचार्य को आईआईटी कानपुर में नौकरी मिल गई है। नई दिल्ली निवासी निसर्ग ने हाल ही में एक ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से सीबीएसई पोर्टल की तकनीकी कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया था, जिसके बाद उनकी प्रतिभा और साइबर सुरक्षा क्षेत्र में विशेषज्ञता की काफी सराहना हुई।

निसर्ग ने इसी वर्ष १२वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर वे देश के सबसे युवा इंजीनियरों में शामिल हो गए हैं। आईआईटी कानपुर ने उन्हें अपनी साइबर सुरक्षा टीम में अनुबंध के आधार पर शामिल किया है। संस्थान के अधिकारियों का कहना है कि निसर्ग की तकनीकी समझ, समस्या पहचानने की क्षमता और शोधपरक दृष्टिकोण ने उन्हें यह अवसर दिलाया है।

दलाई लामा के घुटने की हुई रिप्लेसमेंट सफल सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली,(ईएमएस): तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी दे दी गई है। दलाई लामा ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है।

नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा के मुताबिक दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार को हुई थी। इलाज के दौरान दलाई लामा की निजी मेडिकल टीम और उनके कार्यालय ने अपोलो अस्पताल के प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की स्थिति स्थिर है और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

उन्होंने कहा कि दलाई लामा की सेवा करने का अवसर अस्पताल और चिकित्सा दल के लिए अत्यंत सम्मान की बात रही। बता दें इससे पहले जून २०२४ में दलाई लामा ने न्यूयॉर्क सिटी के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में दाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराया था, जिसके बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही थी। पिछले काफी समय से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही रह रहे हैं। १९५९ में तिब्बत छोड़ने के बाद से वह भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है।

बताया जा रहा है कि घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी होगी।

जसपाल राणा के निधन पर पीएम मोदी और राजनाथ सिंह ने जताया दुख

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के प्रतिष्ठित निशानेबाज और यशस्वी कोच जसपाल राणा का ४९ वर्ष की आयु में निधन हुआ है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता रहे राणा ने शूटिंग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, खासकर मनु भाकर जैसी युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी अहम भूमिका रही। उनके आकस्मिक निधन से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने गहरा दुख जाहिर किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर निशानेबाज राणा के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा कि यह भारतीय खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पीएम मोदी ने राणा को एक असाधारण खिलाड़ी बताया जिन्होंने शूटिंग में देश का मान बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने उनके मेंटर के रूप में योगदान को भी सराहा, कहा कि उन्होंने युवा खिलाड़ियों को अत्यंत समर्पण के साथ प्रशिक्षित और मार्गदर्शन किया। पीएम ने उनके परिवार, दोस्तों और पूरे खेल जगत के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए ओम शांति कहा।

वहीं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राणा के निधन पर स्तब्धता और शोक व्यक्त किया। उन्होंने राणा को न केवल उत्कृष्ट खिलाड़ी और कोच बताया, बल्कि एक अत्यंत सहज, सरल और नेकदिल इंसान भी बताया। राजनाथ सिंह ने जोर दिया कि भारत में शूटिंग को एक खेल के रूप में लोकप्रिय बनाने में राणा की प्रभावी भूमिका थी। उन्होंने स्मरण किया कि जसपाल राणा ने वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप और एशियन गेम्स में भारत को स्वर्ण पदक दिलाकर वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन किया था। रक्षा मंत्री ने उनके निधन को भारतीय खेल जगत के लिए एक बड़ी क्षति बताया।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने भी इस क्षति पर दुख व्यक्त कर कहा कि राणा सिर्फ एक चैंपियन शूटर ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन मेंटर भी थे और उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, जसपाल राणा हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप से भारत लौटते समय बेचैनी महसूस होने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। जहां उनका इलाज के दौरान निधन हो गया।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस): दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। ६ लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार बीच इमरजेंसी कॉल मिली।

वक्त आ गया है कांग्रेस से अलग हुई क्षेत्रीय पार्टियां अपनी घर वापसी करें : गहलोत

जबपुर,(ईएमएस) : देश की राजनीति में इस समय ऐसी बहस छिड़ है, जिसने इंडिया गठबंधन से लेकर क्षेत्रीय दलों तक के सियासी गलियारों में हलचल मच दी है। राजस्थान के पूर्व सीएम और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक गहलोत ने बयान देकर सीधे राहुल गांधी को देश का एकमात्र महानायक बनाने की वकालत कर दी। गहलोत ने शिवसेना नेता संजय राउत के एक पुराने विचार का पुरजोर समर्थन करते हुए सोशल मीडिया और बयानों के जरिए क्षेत्रीय दलों को खुली नसीहत दे डाली।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अशोक गहलोत ने दो टूक शब्दों में कहा कि वक्त आ गया है जब कांग्रेस से टूटकर अलग बनी तमाम क्षेत्रीय पार्टियों को अपनी घर वापसी कर लेनी चाहिए। गहलोत ने राहुल गांधी को विपक्ष का मुख्य चेहरा प्रोजेक्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस से अलग होकर क्षेत्रीय दल बनने वाली सभी पार्टियों को फिर कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए और पूरे दिल से राहुल गांधी को अपना नेता मानना चाहिए। जब पूरे देश में यह साफ मैसेज जाएगा कि तमाम पार्टियों ने मिलकर राहुल गांधी को अपना नेता मान लिया है, तो देश का वोटिंग पैटर्न बदल जाएगा।

गहलोत ने कहा है कि आज देश की जनता एक क्लियर-कट मुकाबला देखना चाहती है, एक तरफ नरेंद्र मोदी और दूसरी तरफ राहुल गांधी। अगर विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के साथ खड़ा हो गया, तो २०२६ और आने वाले चुनावों की तस्वीर बदल सकती है।

हाईकोर्ट ने फलोदी के खीचन विस्तार गांव के गठन को दी हरी झंडी

जोधपुर,(ईएमएस): राजस्थान हाईकोर्ट ने फलोदी जिले में नए राजस्व गांव खीचन विस्तार के गठन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया है। जस्टिस संजीत पुरोहित की बेंच ने राज्य सरकार के निर्णय को सही बताकर कहा कि गांव का गठन निर्धारित नियमों के अनुसार किया गया और यह प्रशासनिक जरूरतों को देखकर लिया गया कानून सम्मत फैसला है।

खीचन निवासी सत्यनारायण सिंह राजपुरोहित ने राजस्व विभाग की १३ दिसंबर २०२५ की अधिसूचना को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि खीचन विस्तार गांव का गठन तय मापदंडों के अनुरूप नहीं है, और पूर्व में इसी तरह की प्रक्रिया को रद्द किया जा चुका था, इसलिए फिर से अधिसूचना जारी करना गलत है। उन्होंने राजनीतिक दबाव में निर्णय लेने का भी आरोप लगाया था।

इसके बाद राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि नए गांव के गठन से पहले अधिकारियों ने मौके का गहन निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में पाया गया कि खीचन और खीचन विस्तार के बीच निर्धारित मानक दूरी (एक किलोमीटर से अधिक) मौजूद है, इस अलग-अलग रास्तों से केंद्र बिंदुओं के आधार पर मापा गया था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ खसरों के आपस में जुड़े होने मात्र से किसी गांव के गठन को गलत नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि नए गांव बनाने के लिए दूरी, प्रशासनिक सुविधा, विकास की संभावना और लोकल जरूरतों जैसे कई पहलुओं को ध्यान में रखा जाता है।

राजनीतिक दबाव के आरोपों पर कोर्ट ने कहा कि किसी जनप्रतिनिधि द्वारा मांग या सुझाव दिए जाने मात्र से प्रशासनिक फैसला अवैध नहीं हो जाता, इसके लिए ठोस दुर्भावना या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण आवश्यक हैं। राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम का हवाला देकर कोर्ट ने बताया कि गांवों के गठन और उनकी सीमाओं में बदलाव का अधिकार राज्य सरकार के पास सुरक्षित है। पर्याप्त आधार के अभाव में हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, जिससे खीचन विस्तार गांव का गठन अब बरकरार रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो की सज़ा रद्द की पीड़िता ने आरोपी से शादी कर बसाया घर

नई दिल्ली,(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में पॉक्सो अधिनियम के तहत मिली एक सज़ा को रद्द किया है। यह फैसला इसलिए हुआ, क्योंकि दोषी ठहराए गए व्यक्ति और पीड़िता ने बाद में आपस में शादी कर ली है, और आरोपी ने पीड़िता को १० लाख रुपये का मुआवजा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी की है और अब वे समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। पीड़िता ने खुद ही सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि उसके पति की सजा रद्द की जाए।

दरअसल यह मामला साल २०१८ का है, जब पीड़िता नाबालिग थी और आरोपी के साथ उसके प्रेम संबंध थे। इस संबंध के चलते आरोपी को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा ५(१) के तहत दोषी ठहराया गया था और २०१९ में ट्रायल कोर्ट ने १० साल की सज़ा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने बाद में सज़ा को संस्पेंड किया था, लेकिन २०२१ में सज़ा खत्म करने की पीड़िता की याचिका को खारिज किया था। इसके बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद १४२ के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर यह निर्णय सुनाया। यह अनुच्छेद शीर्ष अदालत को किसी भी लंबित मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार देता है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने कहा कि मामले की खास परिस्थितियों को देखकर अपीलकर्ता की दोषसिद्धि और सज़ा के फैसले को रद्द करना उचित है।

दरअसल, मूल घटना के बाद पीड़िता की शादी किसी और व्यक्ति से हो गई थी, लेकिन उसके पिछले रिश्ते के बारे में पता चलने पर उसके पति ने पीड़िता को छोड़ दिया था। जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी फिर पीड़िता के संपर्क में आया। दोनों के बीच सुलह हुई और साल २०२४ में उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद महिला ने ही अपने पति की सज़ा रद्द करने की गुहार पहले हाईकोर्ट में लगाई थी, और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंची।

पूर्व नक्सली करा रहे नसबंदी की रिवर्स सर्जरी अब तक 26 पिता बने

रायपुर,(ईएमएस): छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब ४०० किलोमीटर दूर दंतेवाड़ा का जबेली गांव। यहां कभी नक्सली रहे प्रदीप कुंजम का घर है। उन्होंने मुस्कुराते हुए दरवाजा खोला। गोद में ८ महीने की बेटी करिश्मा थी। प्रदीप २००८ में नक्सली बन गए थे। संगठन का नियम था, शादी करनी है तो नसबंदी करानी होगी। २०१६ में प्रदीप ने शादी से पहले नसबंदी करा ली। २०२२ में उन्होंने सरेंडर कर दिया।

२०२३ में नसबंदी खुलवाने के लिए सर्जरी कराई और अब एक बेटी के पिता हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अकेले नहीं हैं। बीते १० साल में ५६ नक्सली ऐसी सर्जरी करा चुके हैं।

आयुष्मान योजना में क्लेम प्रक्रिया धीमी होने से मरीजों को नहीं मिल रहा लाभ

नई दिल्ली,(ईएमएस): आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र मरीजों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के बावजूद देश के कई सरकारी अस्पताल क्लेम प्रक्रिया में पिछड़ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बजट आवंटन में देरी, प्रशासनिक जटिलताएं, स्टाफ की कमी और बिलिंग संबंधी समस्याओं के कारण सरकारी अस्पताल निजी अस्पतालों की तुलना में कम क्लेम दर्ज कर रहे हैं, जिससे योजना के लाभ पर असर हो रहा है।

जानकारों के मुताबिक आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों के इलाज के बाद अस्पतालों को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के जरिए क्लेम प्रस्तुत करना होता है। हालांकि सरकारी अस्पतालों में फंड प्रबंधन और प्रतिपूर्ति की जटिल प्रक्रिया के कारण क्लेम समय पर दाखिल नहीं हो पाते। कई मामलों में अस्पताल प्रबंधन इलाज तो उपलब्ध करा देता है, लेकिन क्लेम संबंधी औपचारिकताओं को समय पर पूरा नहीं कर पाता। एक अन्य बड़ी समस्या प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है।

आयुष्मान योजना के अंतर्गत ऑनलाइन एंट्री, दस्तावेज सत्यापन, टीपीए अनुमोदन और क्लेम अपलोड जैसे कार्यों के लिए समर्पित कर्मियों की जरूरत होती है। कई सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में 'आयुष्मान मित्र' या डेटा एंट्री ऑपरेटर नहीं हैं, जिससे क्लेम प्रक्रिया धीमी होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों का प्राथमिक उद्देश्य मरीजों को उपचार उपलब्ध कराना होता है। ऐसे में बिलिंग, दस्तावेजीकरण और क्लेम प्रबंधन जैसे प्रशासनिक कार्य अक्सर प्राथमिकता सूची में पीछे होते हैं। परिणामस्वरूप कई क्लेम लंबित रह जाते हैं और अस्पतालों को मिलने वाली राशि समय पर प्राप्त नहीं हो पाती।

विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारी अस्पतालों में क्लेम प्रक्रिया को डिजिटल रूप से अधिक सक्षम बनाने, अतिरिक्त तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति करने और भुगतान प्रणाली को सरल बनाने से आयुष्मान भारत योजना का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से मरीजों तक पहुंचाया जा सकता है। इससे अस्पतालों की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

बर्थ सर्टिफिकेट में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर रोक: 2011 से पहले जन्मे बच्चों के लिए बढ़ी परेशानी

जबपुर (ईएमएस): राजस्थान में उन परिवारों की चिंता बढ़ी है जिनके बच्चों का जन्म २०११ से पहले हुआ था और उनके नाम अभी तक जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नहीं हुए हैं। भारत सरकार द्वारा दी गई विशेष छूट अवधि समाप्त होने के बाद, अब इसतरह के प्रकरणों में नाम दर्ज करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है।

दरअसल, जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, २००० में प्रावधान है कि जन्म प्रमाण पत्र बनने के बाद उसमें नाम जुड़वाने के लिए आमतौर पर १५ साल का समय मिलता है। यदि इस अवधि में नाम दर्ज नहीं कराया जाता है, तब बाद में प्रक्रिया जटिल हो जाती है। हालांकि, २०२१ में केंद्र सरकार ने उन बच्चों के लिए एक विशेष प्रावधान किया था जिनकी उम्र १५ साल से अधिक हो चुकी थी। इसके तहत, उन्हें अपने नाम जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाने के लिए ५ साल की अतिरिक्त छूट दी गई थी।

मुंबई एयरपोर्ट पर 11.82 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद, युवती गिरफ्तार

मुंबई,(ईएमएस): मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क (कस्टम्स) विभाग ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। खबर है कि बैंकॉक से मुंबई पहुंची २९ वर्षीय युवती हर्षा सनी को ११.८२४ किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड) के साथ गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए इस मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब ११ करोड़ ८२ लाख रुपये बताई जा रही है। जांच में सामने आया है कि हर्षा सनी एक प्रतिष्ठित निजी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत है। इसके अलावा वह ग्लैमर इंडस्ट्री से भी जुड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उसने पिछले वर्ष आयोजित एक नामी ब्यूटी पेजेंट में रनर-अप का खिताब भी हासिल किया था। इस वजह से उसकी गिरफ्तारी ने जांच एजेंसियों के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर दिया है। कस्टम्स अधिकारियों के अनुसार, हर्षा सनी कल तड़के करीब ४ बजे बैंकॉक से मुंबई एयरपोर्ट पहुंची थी। नियमित जांच के दौरान अधिकारियों को उसकी गतिविधियों और यात्रा प्रोफाइल संदिग्ध लगीं। इसके बाद पैसेंजर प्रोफाइलिंग के आधार पर उसे विस्तृत जांच के लिए रोका गया। एनडीपीएस कानून के प्रावधानों के तहत एक राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, लेकिन उसके शरीर से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। इसके बाद अधिकारियों ने उसके सामान की गहन जांच की। जांच के दौरान उसकी ट्रॉली बैग में बेहद चालाकी से छिपाकर रखे गए १२ वैक्यूम-सीलबंद पैकेट बरामद हुए। पैकेट खोलने पर उनमें हरे रंग का उच्च गुणवत्ता वाला हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। एनडीपीएस फील्ड टेस्टिंग किट से जांच करने पर पुष्टि हुई कि बरामद पदार्थ गांजा ही है। कुल बरामद ड्रग्स का वजन ११.८२४ किलोग्राम पाया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ११.८२ करोड़ रुपये आंकी गई है।

गिरफ्तारी के बाद कस्टम्स विभाग ने हर्षा सनी को एनडीपीएस अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसियों ने अदालत को बताया कि मामला अभी शुरुआती जांच के चरण में है और इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और तलाश की जा रही है।

युवती का दावा- बैग में क्या था, मुझे पता नहीं था

मामले में आरोपी की ओर से पेश वकील प्रभाकर त्रिपाठी ने अदालत में दावा किया कि उनकी मुवक्किल को बैग में रखे सामान की कोई जानकारी नहीं थी। वकील के अनुसार, हर्षा सनी बैंकॉक घूमने और नेल-आर्ट तथा मॉडलिंग के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं तलाशने गई थी। वहां उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने उसका विश्वास जीतकर उसे भारत तक एक बैग पहुंचाने के लिए दिया। बचाव पक्ष का कहना है कि युवती को यह बिल्कुल पता नहीं था कि बैग में कोई प्रतिबंधित या अवैध सामग्री रखी गई है और वह कथित तौर पर तस्करों के जाल में फंस गई।

कस्टम्स और अन्य जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद ड्रग्स का अंतिम गंतव्य क्या था, इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का हिस्सा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही हैं।

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त का कार्यालय
(जिला बाल संरक्षण इकाई),धनबाद
मिश्रित भवन,Ground Floor,कमरा नम्बर–7,
दुरभाष –7903353045,
Email ID - dcps-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

सूचना

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO), 2012, एवं नियम 2020 के अंतर्गत सहायक व्यक्ति (Support Person) की पैनल निर्माण हेतु गठित चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची :–

क्र0	आवेदक एवं पिता/पति का नाम	लिंग	अभ्युक्ति
1	Dhananjay Prasad Mahato Father-Lt. Bahadur Mahato	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
2	Nisheet Kumar Singh Father-Dinesh Kumar Singh	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
3	Ajit Kumar Das Father-Lt. Subodh Ravidas	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
4	Dipenty Kumari Gupta Father-Mohan Lal Gupta	Female	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
5	Ahmad Hussain Ansari Father-Hafijuddin Ansari	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
6	Shahina Naaj Father-Saiyyad Ali Ajhar	Female	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
7	Santosh Kumar Thakur Father-Ram Nandan Thakur	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
8	Sandeep Kumar Father-Suresh Ram	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
9	Bholanath Dhibar Father-Nitai Dhibar	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
10	Nitu Kumari W/o-Ramesh Kumar Mahato	Female	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
11	Madan Kumar Mahato Father-Sukhi Ram Mahato	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
12	Nitai Kumbhkar Faher-Lt. Srikant Kumbhkar	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित
13	Manoj Kumar Father-Mahendra Rawani	Male	चयन समिति द्वारा अंतिम रूप से चयनित

PR 382270 Social Welfare,Women and Child Development(26-27).D

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, धनबाद

एक साथ 3 तीन थानाध्यक्षों को दी गई अंतिम विदाई

मधेपुरा (एजेंसी): सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मधेपुरा जिले के तीन थानाध्यक्षों को शुक्रवार को पुलिस लाइन में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम श्रद्धांजलि दी गई. जैसे ही तीनों पुलिस अधिकारियों के पार्थिव शरीर पुलिस लाइन पहुंचे,
पूरा माहौल गमगीन हो उठा. पुलिस पदाधिकारी, जवान, प्रशासनिक अधिकारी और परिजन अपने आंसू नहीं रोक सके. बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में रतवारा थानाध्यक्ष सजन कुमार, अरार थानाध्यक्ष अमरेंद्र ज्ञानेंद्र तथा बेलारी थानाध्यक्ष नीरज कुमार की मौत हो गई थी. हादसे में वाहन चालक की भी जान चली गई थी. सभी पुलिस पदाधिकारी पटना से प्रशिक्षण प्राप्त कर मधेपुरा लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक दुर्घटना हुई.

पोस्टमॉर्टम के बाद तीनों अधिकारियों के पार्थिव शरीर को मधेपुरा पुलिस लाइन लाया गया, जहां कोसी प्रक्षेत्र के डीआईजी डॉ. कुमार आशीष, जिलाधिकारी अभिषेक रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. संदीप सिंह, डीएसपी प्रवेंद्र भारती, उदाकिशुनगंज एसडीपीओ अविनाश कुमार, ट्रैफिक डीएसपी चेतनानंद झा, प्रशिक्षु डीएसपी नुरुल हक, डीएसपी मुख्यालय सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस कांस्टेबलों ने भी अपने दिवंगत अधिकारियों को नम आंखों से श्रद्धासुमन अर्पित किया. इस दौरान पूरे परिसर में शोक और संवेदना का माहौल व्याप्त रहा.

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद तीनों दिवंगत पुलिस अधिकारियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके उपरांत उनके पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके पैतृक आवास के लिए रवाना किया गया. इस दौरान मौजूद परिजनों की आंखें नम थीं. माता-पिता, भाई और अन्य स्वजन बार-बार भावुक होकर बदहवास हो जा रहे थे. अधिकारियों ने उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया. इस अवसर पर डीआईजी डॉ. कुमार आशीष ने कहा कि यह केवल तीन पुलिस अधिकारियों का नहीं, बल्कि पूरे पुलिस परिवार का अपूरणीय नुकसान है. उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा पुलिस महकमा दिवंगत अधिकारियों के परिवारों के साथ खड़ा है. उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की.

हादसे में जान गंवाने वाले रतवारा थानाध्यक्ष सजन कुमार रोहतास जिले के डेहरी-ऑन-सोन के निवासी तथा वर्ष २०१८ बैच के अधिकारी थे. अरार थानाध्यक्ष अमरेंद्र ज्ञानेंद्र कटिहार जिले के मनिहारी प्रखंड अंतर्गत आजमपुर गोला के निवासी एवं वर्ष २००९ बैच के अधिकारी थे. बेलारी थानाध्यक्ष नीरज कुमार कैमूर जिले के निवासी तथा वर्ष २०१८ बैच के पुलिस पदाधिकारी थे.

वहीं चालक उदाकिशुनगंज के रहने वाले थे. तीनों अधिकारियों के असामयिक निधन से मधेपुरा जिला पुलिस बल में शोक की लहर है. पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने अपने साथियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित व्यक्तित्व को याद किया.

हादसे पर राज्यपाल और सीएम सम्राट ने जताया शोक

पटना (एजेंसी): बेगूसराय में तीन थानाध्यक्ष और चालक की असामयिक निधन पर बिहार के राज्यपाल बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सय्यद अता हसनैन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शोक प्रकट किया है। सीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इस घटना को अपूर्णीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि यह पूरे पुलिस परिवार के लिए गहरा आघात है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की चिर शांति हेतु प्रार्थना की है। इसके साथ ही शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। जिले में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर में ३ थानाध्यक्ष और एक चालक की मौत हो गई। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र अंतर्गत बखड्डा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग का है। तीनों पुलिस अधिकारी पटना में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद अपने-अपने कार्यक्षेत्र लौट रहे थे। इसी दौरान बीच रास्ते में हादसा हुआ। मृतकों में शामिल थानाध्यक्ष साजन कुमार पासवान, जो मधेपुरा जिले के रतवारा अरार के रहने वाले थे। थानाध्यक्ष अमरेंद्र ज्ञानेंद्र और बेलारी थानाध्यक्ष नीरज कुमार शामिल हैं। हादसे में कार चालक नीरज कुमार की भी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सभी पुलिस अधिकारी पटना में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उसके बाद वापस अपने-अपने कार्यक्षेत्र लौट रहे थे। इसी दौरान साहेबपुर कमाल के पास उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतना भयावह थी कि चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है। बेगूसराय डझ मनीष कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की खोजबीन कर रही है।

नीति आयोग की बैठक में गूंजी बिहार की आवाज

पटना (एजेंसी): सीएम सम्राट चौधरी दो दिनों के दिल्ली दौरे पर हैं। उनकी यह दौरा बिहार के विकास को लेकर अहम माना जा रहा है। नीति आयोग की शासी परिषद की ११वीं बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने राज्य के विकास मॉडल को रखा। साथ ही भविष्य के रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उच् सम्राट ने राज्य विकास के लिए प्रधानमंत्री से १८ हजार करोड़ रुपये की मदद मांगी है। बैठक में प्रधानमंत्री सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद थे।

सीएम सम्राट ने केंद्र सरकार से बिहार विकास के लिए १८ हजार करोड़ रुपये की सहायता राशि की मांग करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने हर घर नल का जल कार्यक्रम में निवेश कर जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। लेकिन कुछ कारणों से इस योजना के तहत मिलने वाली राशि राज्य सरकार को नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री सम्राट ने कहा कि विकसित भारत २०४७ के लक्ष्य को साकार करने के लिए बिहार सरकार शिक्षा, कौशल विकास, खेल, पर्यटन और कृषि समेत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्वीकृत ११,५२९ सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में से १०,५७९ में पोषण वाटिकाएं विकसित की जा चुकी हैं। वहीं ८,४०० आंगनबाड़ी केंद्रों को नजदीकी स्कूलों से जोड़ा गया है, जबकि ३४,६८२ केंद्रों को ५०० मीटर की दूरी पर स्थित प्राथमिक विद्यालयों से संबद्ध किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कौशल विकास परियोजनाओं के लिए ७५० करोड़ रुपये तथा जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के लिए १,५०० करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया। इसके अलावा भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (खखडएठ) और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (डझ-) की क्षेत्रीय शाखाएं खोलने में भी सहयोग मांगा गया। खेल क्षेत्र में बिहार ने २०२८ के नेशनल यूथ गेम्स, २०३० के हॉकी विश्व कप और २०३१ के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए केंद्र से विशेष सहायता की मांग की है। पर्यटन विकास के तहत विष्णुपद कॉरिडोर, महाबोधि कॉरिडोर और राजगीर-नालंदा-बोधगया के एकीकृत विकास के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा गया।

शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के ७६,२०२ सरकारी विद्यालयों में से ९१ प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है और ९,००० से अधिक स्मार्ट क्लास संचालित हो रही हैं। बालिका विद्यालयों में शत-प्रतिशत शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वहीं १५ से १९ वर्ष आयु वर्ग के स्कूल से बाहर बच्चों को बिहार ओपन स्कूल बोर्ड के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत १.१८ लाख कारीगरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पटना में ६४० करोड़ रुपये की लागत से आर्यभट्ट अंतरराष्ट्रीय कौशल हब का निर्माण किया जा रहा है, जबकि पीएम सेतु योजना के तहत ७५ आईटीआई संस्थानों के उन्नयन के लिए ३,६१५ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत १.१८ लाख कारीगरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पटना में ६४० करोड़ रुपये की लागत से आर्यभट्ट अंतरराष्ट्रीय कौशल हब का निर्माण किया जा रहा है, जबकि पीएम सेतु योजना के तहत ७५ आईटीआई संस्थानों के उन्नयन के लिए ३,६१५ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

समस्तीपुर में गैस एर्जेंसी पर प्रशासन का एक्शन

समस्तीपुर (एजेंसी): समस्तीपुर जिले में प्रशासन ने १२ जून, २०२६ दिन शुक्रवार को एक निजी गैस एर्जेंसी पर बड़ी कार्रवाई की. इस कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने गैस एर्जेंसी को सील कर दिया. मामला जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड क्षेत्र के मदुदाबाद स्थित निजी गैस एर्जेंसी का है. यह कार्रवाई प्रशासन ने उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर की है. वहीं, छापेमारी के दौरान ७३ उपभोक्ता कार्ड समेत कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रसीदें जब्त की गईं.
शिकायतों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और आवश्यक अभिलेखों का समुचित सत्यापन नहीं होने पर एर्जेंसी के कार्यालय को भी तत्काल सील कर दिया गया.अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने से उपभोक्ताओं की ओर से एर्जेंसी के खिलाफ लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं. शिकायतों में समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराना, एर्जेंसी परिसर में उपभोक्ताओं की लंबी कतार लगवाना, गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करना, निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलना और गोदाम से स्वयं गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं से भी डिलीवरी शुल्क वसूलने जैसे गंभीर आरोप शामिल थे.

इन शिकायतों की सत्यता की जांच के लिए प्रशासनिक टीम ने एर्जेंसी परिसर में व्यापक जांच की. इस दौरान अभिलेखों की पड़ताल की गई और एर्जेंसी कर्मियों से पूछताछ भी की गई. जांच के दौरान ७३ उपभोक्ता कार्ड, कई रसीदें और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए, जिन्हें जब्त कर लिया गया. प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर एर्जेंसी कार्यालय को सील करने की कार्रवाई की गई. अनुमंडल कार्यपालक दंडाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं से लगातार मिल रही शिकायतों के आलोक में यह कार्रवाई की गई है. जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और उपभोक्ता कार्ड जब्त किए गए हैं. सभी बिंदुओं की गहन जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी. छापेमारी अभियान के दौरान प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी अभिषेक कुमार, एएसआई अशोक कुमार सिंह समेत कई प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे. प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के गैस उपभोक्ताओं के बीच चर्चा का माहौल है.

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

मतदाता सूची से स्मृति ईरानी का नाम गायब जांच के आदेश

अमेठी (ईएमएस): पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मेदान मवई गांव की पंचायत मतदाता सूची से गायब पाया गया जबकि उनका नाम क्षेत्र की लोकसभा और विधानसभा मतदाता सूची में मौजूद था। अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिये है। वर्ष २०१९ से २०२४ तक लोकसभा में अमेठी का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी की नेता स्मृति ईरानी ने २०१९ का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेदान मवई गांव में अपना आवास बनाया।

महिला से मारपीट के आरोप में तीन दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों पर मामला दर्ज

आगरा,(ईएमएस): वारंटी महिला की सिकंदरा थाने में पिटाई के मामले में जिला जज की कोर्ट से रिवीजन खारिज होने के बाद सिकंदरा थाने के तीन दारोगाओं समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना शाहगंज में बलवा, मारपीट, गाली गलौज, धमकी एवं नुकसान का मुकदमा २०१८ में दर्ज हुआ था। मुकदमे में सीमा सिकरवार निवासी किरावली मोड़ रुनकता के वारंट चल रहे थे। जानकारी के मुताबिक सिकंदरा पुलिस ने शुक्रवार को महिला को न्यायालय में पेश किया। महिला ने चौकी इंचार्ज रुनकता नीलेश शर्मा, दारोगा सुरजीत सिंह व अन्य पुलिसकर्मियों पर थाने में मारपीट का आरोप लगाया था। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को महिला का डॉक्टरों के पैनल से दोबारा मेडिकल कराया गया था। इसके बाद महिला को सिकंदरा पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के दौरान महिला के वकील ने तर्क दिए कि पुलिस हिरासत में पिटाई की गई है, जिससे मेडिकल रिपोर्ट में उसके चोटें आई हैं। पैनल से दोबारा कराए गए मेडिकल में चोटों के निशान पाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने रुनकता चौकी इंचार्ज नीलेश शर्मा, दारोगा सुरजीत सिंह, महिला दारोगा नेहा व महिला सिपाही सीमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। आदेश के विरुद्ध पुलिस की ओर से जिला जज की कोर्ट में रिवीजन दायर किया गया था। गुरुवार को जिला जज ने रिवीजन खारिज कर दी। इसके बाद आनन-फानन में अवमानना से बचने के लिए सिकंदरा पुलिस ने देर रात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

युवक की गला रेतकर हत्या

कटिहार (एजेंसी):कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र में एक २२ वर्षीय युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। छोहार पंचायत के बहियार में ग्रामीणों ने युवक का शव देखा, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मोहजान गांव निवासी मनीष मंडल के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि मनीष का एक विवाहित महिला के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसे लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ था और इसी वजह से उसकी हत्या की गई है।

कर्ज लेकर काम करने गया था युवक, होर्मुज में जहाज पर हमले में गई जान

देवरिया,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के सुरौली थाना क्षेत्र के निवासी शिवानंद चौरसिया की होर्मुज में जहाज पर हुई बमबारी में मौत हो गई। मृतक के किसान पिता रामजी चौरसिया को बीते दिन इस भयानक हादसे की जानकारी मिली। शिवानंद छह महीने पहले ही भारी-भरकम कर्ज लेकर फिटर के काम के लिए मुंबई से सिंगापुर गए थे, जहां से लौटते समय ओमान के पास उनका जहाज इस हमले का शिकार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवानंद के पिता रामजी चौरसिया पेशे से किसान हैं और उन्होंने मेहनत से कमाई का पैसा जोड़कर अपने बड़े बेटे के सुनहरे भविष्य का सपना देखा था। पिता ने रोते हुए बताया कि उन्होंने इधर-उधर से मांगकर छह लाख रुपए की व्यवस्था की थी ताकि बेटा जहाज पर जा सके। ऐन वक्त पर भेजने वाली कंपनी ने ५० हजार रुपए की और मांग कर दी, जिसे उन्होंने व्यवस्था कराकर चुकाया। शिवानंद ने कुछ महीने पहले अपने खाते में दो लाख रुपए भी भेजे थे, लेकिन अब सब कुछ खत्म हो गया है।

रौशन आनंद और खान सर के गार्ड्स की जमानत पर फैसला सोमवार को

पटना,(ईएमएस): पटना सिविल कोर्ट में खान सर के कोचिंग पर हमले से जुड़े मामलों में ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और खान सर के दो बॉडीगार्ड्स की जमानत याचिकाओं पर शुक्रवार सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद दोनों मामलों में अब सोमवार को फैसले की उम्मीद है। रौशन आनंद की जमानत याचिका जिला जज के यहां से एडीजे ३३ के कोर्ट में स्थानांतरित हुई थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान विरोधी पक्ष के वकील ने बहस के लिए और समय मांगा, इसकारण अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की गई है। वहीं, खान सर के दोनों बॉडीगार्ड्स की जमानत याचिका पर मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अनुराग वर्मा के कोर्ट में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया। उनके वकील की अचानक तबियत खराब होने के कारण यह मामला भी सोमवार के लिए टल गया है, जब कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा।

इन न्यायिक कार्यवाही के बीच, रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर छात्रों ने तीसरी बार सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। पटना कॉलेज से कारगिल चौक तक मार्च निकालने की कोशिश कर रहे छात्रों को पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था और वाटर कैनन की तैनाती के साथ रोक दिया। छात्रों ने निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि बिना किसी जांच कमेटी के किसी को जेल में डालना गलत है और इससे हजारों छात्रों के भविष्य का सवाल जुड़ा है। उन्होंने एक को जेल, एक को बेल की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए।

'कॉकरोचों' ने लखनऊ में प्रदर्शन कर धर्मेन्द्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

लखनऊ (ईएमएस) : केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को उप्र की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए ईको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए। हालांकि पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। बाद में कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेन की अनुमति की खबर सामने आई। इस बीच लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज २८ मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये को नाराजगी जताई।

छात्र ग्रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। २९ मई के आंदोलन के दौरान १२ जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

समक्षः लेख्य प्रमाणक
(Notary Public), धनबाद

शपथ पत्र सह बेदखली दस्तावेज

मैं, भोला साव, पिता स्व. चंदर साव, उम्र लगभग 71 वर्ष, धर्म हिन्दू, पेशा व्यवसाय, निवासी काली मंदिर के पास, भागा नं.-5, परासिया, पोस्ट-भागा, थाना-झरिया, जिला-धनबाद (झारखण्ड) 828301, एतद् द्वारा शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि :-

1. यह कि, मेरा पुत्र लोकेश कुमार उर्फ जॉन साव, पिता-भोला साव, वर्तमान में मेरे साथ ही निवास करता है। परंतु यदि भविष्य में वह मेरी आज्ञा का पालन नहीं करता है, अपनी मनमर्जी करता है या मेरे नियंत्रण से बाहर होता है, तो निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी।

2. यह कि, यदि मेरा उपरोक्त पुत्र लोकेश कुमार भविष्य में कोई भी गलती, गैर कानूनी कार्य, या असामाजिक आचरण करता है, अथवा वह वृद्धावस्था में हमारी (माता-पिता की) उचित देखभाल, भरण-पोषण और सेवा नहीं करता है, तो वह तत्कालिक रूप से मेरी स्वअर्जित चल एवं अचल संपत्ति, पैतृक सम्मति तथा मेरे घर (जो कि 'काली मंदिर के पास, भागा न-5, परासिया' में स्थित है) से पूरी तरह बेदखल माना जाएगा।

3. यह कि, मैं अपनी स्वअर्जित चल एवं अचल सम्पति तथा पैतृक सम्पति से अपने दूसरे पुत्र रितेश कुमार साव उर्फ रितेश गुप्ता, पिता-भोला साव, वर्तमान पता-काली मंदिर के पास, भागा न.-5, परासिया, पोस्ट-भागा, जिला-धनबाद (झारखण्ड) को पूरी तरह बेदखल करता हूँ।

4. यह कि, भविष्य में मेरे पुत्र रितेश कुमार साव द्वारा किए गए, अथवा भविष्य में लोकेश कुमार द्वारा (शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में) किए गए किसी भी कार्य, आचरण, अपराध, कर्ज या लेन-देन के लिए मैं या मेरी कोई भी संपत्ति किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी।

5. यह कि, मैं उपरोक्त रितेश कुमार साव को अपने घर जो कि 'काली मंदिर के पास, भागा न-5, परासिया' में स्थित है, से पूरी तरह बेदखल करता हूँ। (तथा लोकेश कुमार के संदर्भ में बिंदु संख्या 2 की शर्तें प्रभावी रहेंगी)।

मैं यह बेदखली दस्तावेज बिना किसी भय, दबाव, बहकावे या जोर-जबरदस्ती के, पूरे होशो-हवास और शांत चित्त से बना रहा हूँ।

दि. 12.6.26

राम मंदिर के दान में गबन मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर लखनऊ हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल

लखनऊ (ईएमएस): अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दानपात्रों से चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन मामले की सीबीआई जांच की जनहित याचिका (पीआईएल) शुक्रवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में दाखिल हुई है।

इस पर अगले सप्ताह सुनवाई संभावित है। स्थानीय अधिवक्ता मोहित अशोक ने व्यक्तिगत रूप से यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें, कथित गबन मामले की जांच समेत केस दर्ज करने के निर्देश सी बी आई को देने का कोर्ट से आग्रह किया गया है। साथ ही श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों में चढ़ावे के रूप में मिलने वाली नकद धनराशि, सोने चांदी के आभूषणों व अन्य कीमती वस्तुओं का आडिट महालेखा परीक्षक नियंत्रक (कैग) से कराने की मांग भी की गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम जी के मंदिर में दान व चढ़ावे की संपत्ति के कथित गबन के आरोपों का मामला अखबारों में छपा। इससे भक्तों की भावनाओं को ठेस पंहुची। ऐसे में इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच और ऑडिट होना आवश्यक है। याचिका में केंद्र-राज्य सरकार समेत सीबीआई, कैग व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी पक्षकार बनाया गया है।

राम मंदिर में दान राशि के कथित गबन के आरोप का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर की व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, मामले में जांच प्रक्रिया के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जाएगी।

जांच के दायरे में आए कुछ कर्मचारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त करने अथवा उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा मंदिर परिसर में कार्यरत कई कर्मचारियों के दायित्वों में भी बदलाव किया जा सकता है, ताकि व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह तथा पारदर्शी बनाया जा सके।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को कथित तौर पर गबन हुई डेढ़ करोड़ की राशि के बरामद होने की बात सामने आई। संदिग्धों से पूछताछ, उनके बैंक डिटेल आदि की जांच का क्रम जारी होने की चर्चा भी जोरों पर रही है। गबन के मामले में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर ने कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। माना जा रहा है कि दान के पैसों की गिनती में लगे बैंक कर्मियों की भी जांच हो रही है। फिलहाल पूरे मामले में राम मंदिर ट्रस्ट ने चुप्पी साध रखी है। राम मंदिर में पूर्व लेखा प्रभारी रहे महिपाल सिंह के दावों ने भी पूरे मामले को हवा देने का काम किया है।

अस्पताल जाने के क्रम में बीच रास्ते में खराब हुई एंबुलेंस, घायल युवक ने तोड़ा दम

गया (एजेंसी): जिले के शेरघाटी अनुमंडल से स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, बीच रास्ते में एंबुलेंस खराब हो गया और समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाया। जिसके कारण बच्चे की मौत हो गई। घटना इमामगंज थाना क्षेत्र के पाकरडीह गांव की है।

मृतक युवक की पहचान ११ वर्षीय उज्ज्वल कुमार के रुप में हुई है। वह पलामू जिले के नौडीहा थाना क्षेत्र के तरीडीह गांव का निवासी था। उज्ज्वल अपनी मौसी के घर रहकर पढ़ाई करता था। बताया जा रहा है कि वह क्रिकेट खेलकर लौट रहा था, तभी मिट्टी लदे एक ट्रैक्टर ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसा में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाया और उसे शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल भेजा।

छात्रवृत्ति में देरी बर्दाश्त नहीं, अधिकारियों को मंत्री का सख्त निर्देश

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति भुगतान को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ में प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान हर हाल में दिसंबर माह से पूर्व सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण प्रणाली को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध बनाने के लिए एक प्रभावी मैकेनिज्म विकसित किया जाए, ताकि किसी भी लाभुक छात्र को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी। समीक्षा के दौरान आदिवासी कल्याण आयुक्त ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए ई-कल्याण पोर्टल १५ मई से ही सक्रिय है और आवेदन प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।

इसके अलावा साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि छात्रों में ड्रॉपआउट दर को कम करने के उद्देश्य से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कम से कम ५० प्रतिशत साइकिलों का वितरण अगले एक माह के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना को लेकर मंत्री ने निर्देश दिया कि योजना का गहन अध्ययन कर इसे नए स्वरूप में विकसित किया जाए तथा पुनः आवेदन आमंत्रित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।

बैठक में विभागीय सचिव, विशेष सचिव, आदिवासी कल्याण आयुक्त, प्रबंध निदेशक (आदिवासी सहकारी विकास निगम), राज्य परियोजना निदेशक एवं परियोजना निदेशक, रांची सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मोराबादी में सजेगा कृषि महाकुंभ, तीन दिन तक जुटेंगे किसान और विशेषज्ञ

रांची (एजेंसी): झारखंड के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। राजधानी रांची के मोराबादी मैदान में आगामी १६ जून से तीन दिनों का झारखंड कृषि व्यापार मेला शुरू होने जा रहा है। यह मेला १८ जून तक चलेगा। इसका मुख्य मकसद किसानों को खेती-किसानी के नए तौर-तरीके सिखाना, नई मशीनों से रूबरू कराना और ग्रामीण इलाकों में खुशहाली लाना है। इस मेले में किसान, कृषि से जुड़े कारोबारी, नए स्टार्टअप्स और सरकारी अधिकारी एक साथ जुटेंगे।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

कृषि विभाग के मुताबिक, मेले की शुरुआत १६ जून को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की मौजूदगी में होगी। पहले दिन मुख्यमंत्री कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा, बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वाले लोगों को मदद राशि या जरूरी सामान बांटे जाएंगे।

आधुनिक कृषि मशीनों का होगा लाइव डेमो

इस मेले में सिर्फ खेती ही नहीं, बल्कि पशुपालन, दूध उत्पादन (डेयरी), मछली पालन और बागवानी से जुड़ी जानकारियां भी मिलेंगी। देश भर से बड़ी कंपनियां अपने आधुनिक कृषि उपकरण और मशीनें लेकर यहां आ रही हैं, जिनका लाइव डेमो भी किया जाएगा। मेले में आने वाले लोगों के लिए खाने-पीने के स्टॉल (फूड कोर्ट) और फोटो खिंचवाने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं।

कृषि विभाग ने राज्य के सभी किसानों और युवाओं से अपील की है कि वे भारी संख्या में इस मेले में आएं और खेती को मुनाफे का सौदा बनाने के इस सुनहरे मौके का पूरा फायदा उठाएं।

१७ जून (दूसरा दिन): इस दिन खास तौर पर किसानों के लिए बातचीत के सत्र रखे गए हैं। कृषि विशेषज्ञ किसानों के सवालों के सीधे जवाब देंगे और उन्हें बताएंगे कि आधुनिक तरीकों से खेती कैसे की जाए।

१८ जून (तीसरा दिन): मेले के आखिरी दिन नए कृषि स्टार्टअप्स अपनी तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। युवाओं और किसानों को दिखाया जाएगा कि खेती को एक फायदे का बिजनेस कैसे बनाया जा सकता है।

मानसून से पहले प्रमुख हाईवे पर तैयारी तेज ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने में एनएचएआई जुटा

रांची (एजेंसी): मानसून को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने झारखंड के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर रखरखाव और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का अभियान तेज कर दिया है। इसके तहत रांची-रामगढ़-जमशेदपुर मार्ग, रांची-डाल्टनगंज मार्ग समेत अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है।

एनएचएआई द्वारा साइड ड्रेन, बॉक्स कल्वर्ट और क्रॉस-ड्रेनेज संरचनाओं की सफाई कर वर्षा जल की निर्बाध निकासी सुनिश्चित की जा रही है। जलभराव वाले संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि बारिश के दौरान यातायात प्रभावित न हो और यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों के अनुसार रांची-रामगढ़-जमशेदपुर और रांची-डाल्टनगंज जैसे व्यस्त राजमार्गों पर जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही सड़क सुरक्षा से जुड़े आवश्यक सुधार कार्य भी किए जा रहे हैं। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी संतोष कुमार आर्य ने कहा कि मानसून के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध यातायात बनाए रखना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिल सके।

पुराने वेतनमान वाले कर्मचारियों और पेंशनरों का डीए बढ़ा

1 जनवरी 26 से मिलेगा लाभ, वित्त विभाग ने जारी की अधिसूचना

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने पुराने (अपुनरीक्षित) वेतनमान से वेतन और पेंशन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों को बड़ी राहत दी है। वित्त विभाग ने तीन अलग-अलग संकल्प जारी कर पंचम वेतनमान, छठे केंद्रीय वेतनमान के कर्मचारियों तथा छठे वेतनमान के पेंशनधारियों, पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि को मंजूरी दी है।

यह बढ़ी हुई दरें १ जनवरी २०२६ से प्रभावी होंगी। प्रस्ताव को २७ मई २०२६ को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में स्वीकृति मिल चुकी है।

पंचम वेतनमान वालों का डीए 474% से बढ़कर 483%

वित्त विभाग के संकल्प के अनुसार, राज्य के वैसे कर्मचारी जो अब भी अपुनरीक्षित पंचम वेतनमान में वेतन प्राप्त कर रहे हैं, उनका महंगाई भत्ता ४७४ प्रतिशत से बढ़ाकर ४८३ प्रतिशत कर दिया गया है। यह वृद्धि केंद्र सरकार द्वारा २२ अप्रैल २०२६ को जारी आदेश के अनुरूप की गई है। बता दें कि सातवां वेतनमान पाने वाले कर्मियों का भी महंगाई भत्ता २% तक बढ़ा है।

छठे केंद्रीय वेतनमान वाले कर्मचारियों का डीए 257% से बढ़कर 262%

दूसरे संकल्प में राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिनका वेतन पुनरीक्षण छठे केंद्रीय वेतनमान के अनुसार हुआ था और जिन्हें अभी तक सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिला है। ऐसे कर्मचारियों का डीए २५७ प्रतिशत से बढ़ाकर २६२ प्रतिशत कर दिया गया है।

छठे वेतनमान के पेंशनरों को भी राहत

तीसरे आदेश के तहत छठे वेतनमान में पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य के पेंशनधारियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की महंगाई राहत (डीआर) भी २५७ प्रतिशत से बढ़ाकर २६२ प्रतिशत कर दी गई है। यह लाभ भी १ जनवरी २०२६ से देय होगा।

मूल वेतन और पेंशन पर ही मिलेगा लाभ

सरकार ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ता केवल मूल वेतन पर देय होगा। विशेष वेतन, वैयक्तिक वेतन आदि पर इसका भुगतान नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार पेंशनभोगियों को बढ़ी हुई महंगाई राहत उनकी मूल पेंशन के आधार पर मिलेगी। इन फैसलों से राज्य के उन कर्मचारियों और पेंशनरों को लाभ मिलेगा, जो अभी भी पुराने वेतनमानों के तहत वेतन या पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से उनके मासिक भुगतान में बढ़ोतरी होगी और जनवरी २०२६ से एरियर का भी भुगतान किया जाएगा।

राज्यपाल से वित्त आयोग की राशि खर्च करने की गाइडलाइन जारी करने की मांग

रांची (एजेंसी): त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ, झारखंड के अध्यक्ष विकास कुमार महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर पंचम राज्य वित्त आयोग मद की राशि के व्यय एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शीघ्र मार्गदर्शिका जारी करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि पंचायतों को पंचम राज्य वित्त आयोग की राशि आवंटित कर दी गई है, लेकिन राशि खर्च करने और योजनाओं को लागू करने संबंधी दिशा-निर्देश अब तक जारी नहीं किए गए हैं। इसके कारण पंचायतों में विकास कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि स्पष्ट मार्गदर्शिका मिलने के बाद पंचायतें वित्त आयोग से प्राप्त राशि का उपयोग कर विभिन्न विकास योजनाओं को गति दे सकेंगी।

उन्होंने राज्यपाल से संबंधित विभाग को जल्द दिशा-निर्देश जारी करने के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे संबंधित विभाग से पत्राचार कर आवश्यक मार्गदर्शिका शीघ्र जारी कराने का प्रयास करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में जिला परिषद सदस्य मनोज वाजपेयी, मुखिया कुशेन्द्र पहान, गिरिडीह के अनिल कुमार रजक एवं पिंटू कुमार शामिल थे।

झारखंड में आंधी और भारी बारिश का अलर्ट, रांची समेत कई जिलों में चेतावनी

रांची (एजेंसी): झारखंड में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार आज राज्य के कई जिलों में तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने राजधानी रांची सहित कई इलाकों के लिए अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की अपील की है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसी के प्रभाव से झारखंड में नमी बढ़ी है। इसके साथ सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ ने मौसम को और अधिक अस्थिर बना दिया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

कोलकाता के सरकारी भवन में---

प्रशासन की ओर से अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने अलीपुर थाने में अग्निकांड की लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि आग शार्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई गहरी साजिश है। फोरेंसिक विशेषज्ञ भी जल्द ही घटनास्थल का निरीक्षण कर नमूने एकत्र करने वाले हैं, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। इस घटना को लेकर राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज कर दी है। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार ने साजिश की संभावना को नजरअंदाज न करने की बात कही, तब भाजपा नेता राकेश सिंह ने एक सुनियोजित घटना करार दिया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले फोरेंसिक और वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट का इंतजार करने को कहा है।

भारत के खिलाफ आपके---

के सीमा तनावों में भारतीय हवाई सुरक्षा का सामना किया। इस तरह, फ्रांस में बनी अगोस्टा-क्लास पनडुब्बियां भी भारत के खिलाफ उपयोग हुई। १९७१ के युद्ध के दौरान, फ्रांसीसी डैफने-क्लास की पूर्ववर्ती पीएनएस हंगोर ने भारतीय नौसेना के फ्रिगेट आईएनएस खुकरी को डुबो दिया था। अमेरिका में डिज़ाइन किया गया, लेकिन यूरोप में लाइसेंस के तहत निर्मित एफ-१०४ स्टारफाइटर भी इन संघर्षों में भारत के खिलाफ मैदान में उतरा। लंबे समय से ब्रिटेन, जर्मनी और बेल्जियम जैसे देशों की विभिन्न यूरोपीय रक्षा कंपनियों द्वारा बनाए गए पैदल सेना के मानक हथियार, गोला-बारूद और मोर्टार सिस्टम क्षेत्रीय सेनाओं और भारत की सीमाओं पर सक्रिय आतंकी गुटों तक भी पहुँचते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के दौरान पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चीनी में बने क्यू-९ एयर डिफेंस सिस्टम, पीएल-१५ एयर-टू-एयर मिसाइल और जे-१० फाइटर एयरक्राफ्ट का भी इस्तेमाल किया।

घुसपैठ की कोशिश में---

रहने की जरुरत। सूत्रों का कहना है कि हाल के दिनों में सीमा पार आतंकी लॉन्च पैड्स पर गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसको ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।साथ ही ड्रोन,नाइट विजन इक्युपमेंट और अन्य तकनीकी संसाधनों की मदद से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

ममता बनर्जी पर अब---

उनके खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इस बार एक बिजनेसमैन ने ममता बनर्जी के खिलाफ एक और भड़काऊ कमेंट के लिए कोलकाता के हेयर स्ट्रीन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस साल की शुरुआत में, ममता बनर्जी पर चुनाव प्रचार के दौरान धर्मतला के मंच से विवादित बयान देने का आरोप लगा है। उन्होंने मंच से कहा कि आप सब ठीक हैं क्योंकि हम यहां हैं। अगर हम यहां नहीं होते, तो एक सेकंड लगता! जब कोई कम्युनिटी अलायंस नहीं बनाती, अगर वे उसे घेर लेते हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर पल भर में वायरल हो गया और सियासत गरमा गई। विपक्षी पार्टियों ने पूर्व सीएम के बयान पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए ऐसा बयान कैसे दे सकता है।

भारतीय सेना को मिले---

१०० ऑपरेशनल और ६ ट्रेनिंग ड्रोन सेना को सौंप दिए हैं। यह डिलीवरी भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता और अनमैन्ड वारफेयर में उपलब्धि मानी जा रही है। इन्हें बेलारूसी फर्म केबी इंडेला की मदद से तैयार किया गया है।

कंपनी का दावा है कि यह ड्रोन पूरी तरह ऑटोनॉमस प्रिसिजन स्ट्राइक मिशन अंजाम दे सकता है। यानी लक्ष्य निर्धारित होने के बाद यह बिना किसी इंसानी दखल के मिशन पूरा कर देगा। कामिकाजे ड्रोन ऐसे ड्रोन होते हैं जो लक्ष्य पर हमला करते समय खुद भी नष्ट हो जाते हैं। इन्हें लॉइटरिंग म्यूनिशन भी कहा जाता है। कामिकाजे नाम सेकेंड वर्ल्ड वार के कामिकाजे अटैक से लिया गया है। जब जापानी पायलट अपने विमानों को दुश्मन के जहाजों से टकराकर आत्मघाती हमला करते थे।

अग्निवेग में अहम मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स हब, कमांड सेंटर, रडार इंस्टॉलेशन और दूसरे रणनीतिक ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता है। ट्रायल के दौरान अग्निवेग ने जैमिंग और स्पूफिंग वाले माहौल में काम करते हुए ५ मीटर से कम का सर्कुलर एरर प्रोबेबल हासिल किया। सरल शब्दों में कहें तो यह ड्रोन अपने टारगेट को बेहद करीब जाकर हमला करने में सक्षम है। इससे किसी सैन्य ठिकाने के केवल एक हिस्से को निशाना बनाया जा सकता है। इससे टारगेट के आसपास मौजूद सिविलियन स्ट्रक्चर का कम नुकसान होता है।

दुमका से रांची, पटना-कोलकाता उड़ान की तैयारी तेज मौसम सेवाओं के लिए आईएमडी से जल्द होगा एमओयू

रांची (एजेंसी): संथाल परगना के लोगों को जल्द हवाई संपर्क की बड़ी सौगात मिल सकती है। दुमका हवाई अड्डे से क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के तहत नियमित विमान सेवा शुरू करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। एयरपोर्ट पर विमानन मौसम विज्ञान सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के साथ एकरारनामा (एमओयू) करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए आवश्यक तकनीकी और नियामकीय प्रक्रियाओं को गति मिलने की उम्मीद है। झारखंड का नागर विमानन विभाग भारत सरकार के भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के साथ जल्द समझौता करने की तैयारी में जुटा है।

राज्य सरकार की योजना दुमका से रांची, पटना और कोलकाता के लिए नियमित विमान सेवा शुरू करने की है। उड़ान योजना के तहत करीब २८.१४ करोड़ रुपये की लागत से एयरपोर्ट का उन्नयन पहले ही किया जा चुका है। टर्मिनल भवन, नियंत्रण टावर, अग्निशमन केंद्र, परिधि सड़क, आइसोलेशन बे और रनवे समेत आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित की गई है। वर्तमान में राज्य सरकार दुमका एयरपोर्ट के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन के लिए हवाई यातायात प्रबंधन और मौसम संबंधी सेवाएं अनिवार्य हैं।

रांची में 6 जुलाई को देश का सबसे बड़ा 'छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह', 65% अंक लाने वाले छात्र भी होंगे सम्मानित

रांची (एजेंसी): पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा आगामी ६ जुलाई २०२६ को देश के सबसे बड़े 'छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। खेलगांव स्थित हरवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर शुक्रवार (१२ जून) को पासवा की ओर से एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस प्रेस वार्ता में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, महासचिव डॉ. राजेश गुप्ता, प्रवक्ता मेंहुल दूबे समेत सदस्य पिया बर्मन, आरती कुमारी, नंदिनी कुमारी और अनामिका दूबे मुख्य रूप से उपस्थित थे।

65% या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा मंच

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने बताया कि इस वर्ष १०वीं और १२वीं की परीक्षा में जैक, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से ६५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल ९० या ९५ प्रतिशत अंक लाने वाले ही प्रतिभाशाली नहीं होते, बल्कि ६५ प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों में भी अपार संभावनाएं होती हैं। पासवा का उद्देश्य ऐसे सभी बच्चों का हौसला बढ़ाना है जो कुछ अंकों से पिछड़ गए हैं। यह समारोह पिछले १३ वर्षों से लगातार आयोजित कर बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा रहा है।

मंत्री दीपिका पांडे सिंह होंगी मुख्य अतिथि, मुकुंद नायक विशिष्ट अतिथि

इस भव्य समारोह की तैयारियां पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ. रामेश्वर उरांव के मार्गदर्शन में युद्ध स्तर पर चल रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय मंत्री दीपिका पांडे सिंह होंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री मुकुंद नायक उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, झारखंड भर के २५० से अधिक विद्यालयों के प्रिंसिपल्स और डायरेक्टर्स भी विशेष रूप से उपस्थित होकर बच्चों को अपना आशीर्वाद देंगे। इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बनने के लिए कई अन्य राज्यों के पासवा प्रदेशाध्यक्ष भी रांची पहुंच रहे हैं। प्रेस वार्ता के बाद आधिकारिक पोस्टर का हुआ विमोचन

प्रेस कॉन्फ्रेंस के समापन के बाद पासवा की पूरी टीम द्वारा छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह के आधिकारिक पोस्टर को लॉन्च किया गया।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव और प्रदेश महासचिव डॉ. राजेश गुप्ता 'छोटू' ने कहा कि पूरी टीम इस आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयार है और बच्चों में इसे लेकर भारी उत्साह है।

पासवा ने राज्य के सभी पात्र विद्यार्थियों, अभिभावकों और विद्यालयों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द और अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराकर इस गौरवमयी अभियान का हिस्सा बनें। पूरी तरह निःशुल्क है रजिस्ट्रेशन

संगठन की ओर से जानकारी दी गई कि इस सम्मान समारोह का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन पूरी तरह से निःशुल्क है। योग्य विद्यार्थी अपने मार्कशीट को नीचे दिए गए व्हाट्सएप नंबरों या ईमेल आईडी पर भेजकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं: व्हाट्सएप नंबर: ९४३११०९५३८, ९४३१११४४८७,

अक्सर ऑफिस के काम के कारण आप अपने पार्टनर को टाइम नहीं दे पाते। ऑफिस के वर्क लोड के साथ पार्टनर को खुश रख पाना मुश्किल हो जाता है। इससे आपके रिलेशनशिप में दूरियां आने लग जाती है और झगड़े होने लगते है। आज हम आपको ऐसी ट्रिक्स बताएंगे जिससे आप ऑफिस वर्क लोड के साथ पार्टनर को भी आराम से खुश कर पाएंगे।

ऑफिस वर्क प्रेशर के साथ-साथ इस तरह रखें पार्टनर को खुश

टीवी देखना

ऑफिस से घर आने के बाद अक्सर टीवी देखने की बजाए पार्टनर के साथ बैठ कर टीवी देखे और उनके साथ बातें करें। इससे पार्टनर को भी आप से कोई शिकायत नहीं रहेगी।

ऑफिस का काम

कुछ लोग अपने ऑफिस का काम भी घर पर ही ले आते है। जिससे हर पत्नि नाराज हो जाती है। अपने पार्टनर को खुश रखने के लिए अपने काम को घर लाने की बजाए ऑफिस तक ही रखें।

वीकेंड प्लानिंग

ऑफिस से छुट्टी होने पर भी आप परिवार के साथ समय बिताने की बजाए फोन या बैड के साथ चिपके रहते है। इसकी बजाए वीकेंड पर पार्टनर के साथ कुकिंग या पिकनिग का प्लान बनाए।

ऑफिस प्रॉब्लम

अक्सर आप ऑफिस की परेशानियों को वही सॉल्व करने की बजाए घर पर ले आते है और पार्टनर को भी परेशान करते है। इसलिए अगर पार्टनर को खुश रखना है तो अपने ऑफिस के काम को नहीं तक रखें।

डिनर प्लान

कभी-कभार रात को ऑफिस से जल्दी आने पर पार्टनर के साथ बाहर डिनर करने जाए। इसके अलावा आप घर पर भी पार्टनर के साथ डिनर को स्पेशल बना सकते है।

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्सपेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुछ टिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

सीप रखें - एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।

टायर पॉट - पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अलग ही लुक देंगे।

वॉलपेपर - दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैटर्न्स मिल जाएंगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।

शंकु देंगे विन्टेज लुक - यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएंगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।

हैंगिंग पौधे - छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।

पुरानी चीजें, नया लुक - कुछ पुराने क्रॉकरीज जैसे मग, वॉटर कैन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।

गार्डन में पोन्ड - गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जुतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑप्शन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फुटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं, और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को रकेटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

ब्राइडल बनने वाली हैं तो ये स्टाइलिश फुटवियर करें ट्राई

शादी का दिन लड़की के लिए बहुत खास होता है। इस दिन दूल्हन खास तरह से तैयार होती है। लहंगा, ज्वैलरी के साथ-साथ ब्राइडल की लुक तब तक कंप्लीट नहीं होती जब तक की उसके फुटवियर परफैक्ट न हो। फुटवियर से पर्सनैलिटी की पहचान होती है, आजकल ढेरों तरह की वैरायटी मार्किट में आसानी से मिल जाती है, जिसे आप अपनी पसंद और कंफर्ट के हिसाब से इस दिन के लिए पहन सकती है। हील वाले फुटवियर के साथ-साथ अब लड़कियां फ्लैट या फिर पंजाब जूती भी खूब पसंद कर रही हैं। आप अपनी च्वाइस के हिसाब से अपने लिए चूज कर सकते हैं।

- ब्राइट कलर फुटवियर
- स्टोन वर्क
- लेस का जादू
- पंजाबी जूती
- फ्लैट फुटवियर

डेटिंग पर जा रहे है तो अपनाएं ये टिप्स

अपनी पहली डेटिंग को लेकर हर लड़की के मन में अजीब सा डर होता है। वहीं मिथ है कि लड़के अपनी पहली डेट को लेकर काफी कॉन्फिडेंट होते है लेकिन फिर भी उन से कोई न कोई ऐसी गलती हो ही जाती है, जिस वजह से वह लड़की पर खास इम्प्रैशन नहीं जमा पाते। आइए हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जो पहली डेटिंग में ही लड़की पर इम्प्रैशन जमा देंगे।

- पहली डेट पर कुछ भी ऐसा न बोले, जिससे गर्लफ्रेंड नाराज हो जाए।
- लड़कियां लुक्स पर अधिक ध्यान देती है, इसलिए स्मार्ट बनकर जाएं।
- लुक्स के साथ लड़कियां लड़कों का व्यवहार और अक्ल भी देखती है। ऐसा व्यवहार करें, जो लड़की को इम्प्रेस कर सके।
- पहली डेट पर बाकी लड़कियों से ज्यादा अपनी गर्लफ्रेंड पर ध्यान दें।
- लड़की को कॉम्प्लिमेंट जरूर दें। लड़कियों को झूठी तारीफ बिल्कुल पंसद नहीं होती। इसलिए जो भी कहें दिल से कहें।
- डेट पर खुद ही बोलते न चले जाए बल्कि गर्लफ्रेंड को भी अपनी बात रखने का मौका दें।
- अगर गर्लफ्रेंड को देर हो जाए तो उसे लिफ्ट जरूर दें।
- सबसे जरूरी बात पहली डेट पर आप अपनी गर्लफ्रेंड को वेट बिल्कुल भी न करवाएं।

टूटते रिश्ते को बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बिजी लाइफस्टाइल में लोगों के पार्टनर के साथ समय बिता पाना काफी मुश्किल है। शायद इसी वजह से रिश्तों में दरार पैदा होने लगती है। पति-पत्नी के रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगती है। इस दौरान रिश्ते में रूठना-मनाना लगा ही रहता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप कैसे अपनी टूटते रिश्ते को बचा सकती है। अगर आपका पार्टनर आपको इग्नोर करने लगे तो इसे इग्नोर न करें। बल्कि ऐसा कुछ करें जिससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बरकरार रहें। हम आपको कुछ सीक्रेट्स बताएंगे, जिन पर ध्यान रखकर आप अपने टूटते रिश्ते को बचा सकते है।

- अगर पार्टनर आपसे दूर भाग रहा है या आपकी किसी भी बात का सही से जवाब नहीं दे रहा तो ऐसे में उस समस्या का कारण समझकर उसे सुलझाने की कोशिश करें।
- पति-पत्नी आपस में बातचीत करते रहें। कभी भी अपने रिलेशन में बातचीत का लंबा गैप न डालें। एक-दूसरे से बात करने को कोई न कोई बहाना ढूढ़ते रहें।
- पार्टनर की बेरूखी का कारण जानने की कोशिश करें। खास बात अपने रिश्ते में कभी भी भरोसे की कमी न होने दें।
- घर में होने वाले छोटे-मोटे झगड़े को अपने रिलेशन पर हावी न होने दें।

उपहार का महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

अब टी20 में ट्रॉफी का सूखा खत्म करने उतरेगी भारत की बेटियां

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप का आगाज 12 जून (शुक्रवार) से गया। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम की नजरें भी अब वनडे विश्व कप ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के बाद टी20 की पहली ट्रॉफी जीतने पर होंगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर रिकॉर्ड 10वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खेलने उतरेंगी। इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

टीम इंडिया अपना अभियान 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारत को मेजबान इंग्लैंड के सामने वॉर्म अप मैच में हार झेलनी पड़ी थी। साथ ही टीम इंडिया वर्ल्ड कप से पहले टी20 सीरीज भी यहां इंग्लैंड के खिलाफ ही 1-2 से हारी थी। अब ऐसे में टीम के सामने कई चुनौतियां हैं और कुछ टीम की ताकत भी हैं। एक-एक करके जानते हैं भारतीय महिला टीम की ताकत और कमजोरियों के बारे में।

क्या हैं टीम इंडिया की कमजोरियां?

1- ओपनिंग जोड़ी का खराब फॉर्म- भारत की सफलता बहुत हद तक सलामी जोड़ी स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा पर निर्भर करेगी। यह जोड़ी फिलहाल आउट ऑफ फॉर्म नजर आ रही है। स्मृति ने पिछले छह टी20 इंटरनेशनल में एक भी फिफ्टी नहीं लगाई है। जबकि शेफाली का भी हालिया फॉर्म चिंता का विषय है। ऐसे में अगर यह जोड़ी कमाल नहीं कर पाती है तो टीम इंडिया की मुसीबतें बढ़ सकती हैं।

2- डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी- भारतीय महिला टीम ने वनडे वर्ल्ड कप जरूर जीता है लेकिन टी20 में टीम के लिए अभी दबाव झेलना बड़ी चुनौती है। खासतौर से जब डेथ ओवर्स में गेंदबाजी या इनिंग व मैच को फिनिश करने की बात आए तब। बल्लेबाजी में टीम ऋचा घोष पर निर्भर है। इंग्लैंड के खिलाफ वार्म अप मैच में यह देखने को मिला था। गेंदबाजी में टीम की सीनियर खिलाड़ी रेणुका ठाकुर, राधा यादव और दीप्ति शर्मा को जिम्मेदारियां लेनी होंगी। साथ ही बल्लेबाजी में भी राधा, दीप्ति और भारती फूलमाली को ऋचा का साथ देना होगा।

3- भारत के सामने 'ग्रुप ऑफ डेथ' की चुनौती- भारतीय महिला टीम की इसे कमजोरी नहीं कह सकते लेकिन अगर चुनौतियों की बात होगी तो सबसे बड़ी चुनौती है कि टीम का ग्रुप आसान नहीं है। भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। कमजोरी यह है कि भारतीय टीम लगातार इन दोनों टीमों के आगे विवश होती आई है। वहीं बांग्लादेश और पाकिस्तान भी इस ग्रुप में हैं जिन्हें कमजोर नहीं आंका जा सकता है। ऐसे में यह ग्रुप ए, आगे टूर्नामेंट में ग्रुप ऑफ डेथ बन सकता है।

भारतीय महिला टीम की यह है ताकत

1- बल्लेबाजी में अनुभव की भरमार- भारतीय महिला टीम की इस टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी ताकत है उसका अनुभव। इस टीम इंडिया में अनुभव की भरमार है। युवा शेफाली वर्मा तक को कई सालों का अनुभव हो चुका है। जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना, मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना 10वां वर्ल्ड कप खेलेंगी। साथ ही ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, मध्यक्रम की रीढ़ जेमिमा रोड्रिग्स, गेंदबाजी में सबसे अनुभवी रेणुका ठाकुर इस टीम को अनुभवी बनाती हैं। अब देखना होगा कि यह अनुभव क्या भारत के लिए पहले महिला टी20 वर्ल्ड कप के इंतजार को खत्म कर पाता है।

2- ऋचा घोष की हिटिंग क्षमता बन सकती है टर्निंग पॉइंट- भारतीय टीम के पास मध्यक्रम में और लोअर ऑर्डर में टी20 के लिए परफेक्ट कही जाने वाली बैटर ऋचा घोष मौजूद हैं। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में भी बेहतरीन फिनिश से कई बार भारत को जीत दिलाई थी। अब टी20 वर्ल्ड कप में भी वह टीम इंडिया के लिए ट्रम्प कार्ड बन सकती हैं। उन्होंने वार्म अप मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 36 गेंद पर 68 रन ठोके थे।

3- मजबूत स्पिन अटैक और बेहतरीन पेसर्स- भारतीय टीम की सबसे बड़ी ताकत बल्लेबाजी के बाद उसकी स्पिन गेंदबाजी है। टीम के पास अनुभवी दीप्ति शर्मा हैं जो स्पिन की बागडोर संभालेंगी। उनके अलावा वर्ल्ड चैंपियन राधा यादव, श्री चरणी भी शामिल हैं। साथ ही श्रेयांका पाटिल भी इस टीम का हिस्सा हैं। यह ग्रुप विरोधी टीमों को धराशायी कर सकता है। साथ ही तेज गेंदबाजी में भारत के पास वर्ल्ड चैंपियन रेणुका ठाकुर और क्रांति गौड़ की जोड़ी है। इस जोड़ी को बल देने आई हैं महिला प्रीमियर लीग की खोज और शानदार पेसर नंदनी शर्मा। ऐसे में भारत का गेंदबाजी आक्रमण टूर्नामेंट में अंडरडॉग की भूमिका निभा सकता है।

स्मृति-शैफाली ओपनर, जेमिमा नंबर 3

● पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए ह्व ने चुनी भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 जून को खेलना है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत जीत के साथ सीजन की शुरुआत करना चाहेगा और भारत की कोशिश होगी कि वो इस बार महिला वर्ल्ड कप टाइटल अपने नाम करे। हालांकि इंग्लैंड में हो रहे इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए विनर बनना काफी चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत चुकी भारतीय टीम कमाल करने का दम रखती है।

भारत का पहला मुकाबला ही पाकिस्तान के साथ है और इस मैच में टीम इंडिया किसी भी कीमत पर जीत दर्ज करना चाहेगी। भारत को जीत के कम शायद ही कुछ चाहिए होगा और इसके लिए उसे अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग 11 के साथ मैदान पर उतरना होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए भारत की सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन क्या हो सकता है इसके बारे में एआई (गूगल जेमिनी) ने बताया।

भारत का कार्यक्रम

- 14 जून, पाकिस्तान, शाम 7 बजे से
- 17 जून, नीदरलैंड्स, शाम 7 बजे से
- 21 जून, दक्षिण अफ्रीका, शाम 7 बजे से
- 25 जून, बांग्लादेश, शाम 7 बजे से
- 28 जून, आस्ट्रेलिया, शाम 7 बजे से

पहले मैच में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को 2-0 से हराया

जूलियन ने रचा इतिहास, दागा सबसे तेज गोल

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को 2-0 के अंतर से हरा दिया। घरेलू टीम के लिए ये एक बड़ी जीत रही क्योंकि इससे ग्रुप ए के राउंड ऑफ 32 में क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें बढ़ गईं। इस मुकाबले में मेक्सिको का खेल काफी अटैकिंग था वहीं जूलियन क्विनोन्स ने अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। जूलियन क्विनोन्स ने इस मैच के दौरान एक ऐसा रिकॉर्ड भी बनाया जो 96 साल के फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत के बाद से अब तक कोई खिलाड़ी नहीं बना पाया था। जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के 8वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। उन्होंने अफ्रीकी टीम के डिफेंस की एक बड़ी गलती का फायदा उठाया और बॉक्स के ठीक बाहर से एक जबरदस्त शॉट मारकर सीधे गोल किया। ये फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला गोल था।

जूलियन ने दागा सबसे तेज गोल- जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ गोल करके एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने मैच के आठवें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया।

जूलियन ने रचा इतिहास

इस गोल के साथ जूलियन क्विनोन्स फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी सीजन में पहला गोल करने वाले नॉर्थ अमेरिकन देश के पहले खिलाड़ी बन गए। दरअसल मेक्सिको एकमात्र नॉर्थ अमेरिकन देश है जिसने फीफा वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच खेला है।

यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी ओपनिंग मैच में किया गया अब तक का सबसे तेज गोल रहा। इस मेक्सिकन विंगर ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी फिलिप लैम का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2006 फीफा वर्ल्ड कप में बोलीविया के खिलाफ 11वें मिनट में पहला गोल किया था।

डीडी स्पोर्ट्स पर देख सकेंगे चुनिंदा मैचों का आनंद उठा सकेंगे दर्शक

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून की देर रात (भारतीय समय के अनुसार) से होगी। भले ही भारत इस विश्व कप में हिस्सा नहीं ले रहा, लेकिन देश में फीफा विश्व कप को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। फैंस 'जी नेटवर्क' पर इन मुकाबलों का लुत्फ उठा सकते हैं, लेकिन कुछ मुकाबले 'डीडी स्पोर्ट्स' पर मुफ्त में देख सकेंगे। मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच ओपनिंग मैच 11 जून की देर रात 12:30 बजे से खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल 10 से 12 जुलाई के बीच आयोजित होंगे, जबकि सेमीफाइनल 15 और 16 जुलाई को टेलीकास्ट होंगे। फाइनल 20 जुलाई को होगा। फुटबॉल के इस महाकुंभ में कुल 48 टीमें ट्रॉफी के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। इस मल्टीनेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी मेक्सिको, कनाडा और अमेरिका मिलकर करेंगे।

दक्षिण कोरिया का जीत के साथ आगाज, रोमांचक मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ कोरिया ने जीत के साथ की है। रोमांच के भरपूर मुकाबले में टीम ने चेकिया को 2-1 से हराया। साउथ कोरिया ने मैच के दूसरे हाफ में 1-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच के आगाज के साथ ही साउथ कोरिया और चेकिया की टीम को शुरुआत में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इस भुनाने में नाकाम रहीं। मैच के 9वें मिनट में साउथ कोरिया के पास

मिली फ्री किक से बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन चेकिया के डिफेंस ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। 11वें मिनट में साउथ कोरिया की टीम कॉर्नर का भी फायदा उठाने में नाकाम रही। पहले हाफ में कोरिया ने चेकिया के डिफेंस पर दबाव तो खूब डाला, लेकिन उनके डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। चेकिया को पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत से ही चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और टीम को मैच के 59वें मिनट में सफलता हाथ लगी। लाडिसलाव क्रेजकी ने बेहतरीन हेडर के जरिए शानदार गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

सरफराज की टीम बाहर

● शिवम दुबे के ऑलराउंडर प्रदर्शन से फाइनल में पहुंची अंधेरी आर्क्स, अर्जुन तेंदुलकर बल्लेबाजी में फ्लाप

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 लीग के पहले सेमीफाइनल में शिवम दुबे की कप्तानी वाली अंधेर आर्क्स ने सरफराज खान की कप्तानी वाली आकाश टाइगर्स को हराते हुए फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में कप्तान शिवम दुबे ने अपने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को फाइनल में पहुंचाया। अर्जुन तेंदुलकर ने इस मुकाबले में एक विकेट 31 रन देकर लिया था लेकिन बल्लेबाजी में फ्लाप साबित हुए।

सरफराज खान की कप्तानी वाली आकाश टाइगर्स की टीम अब फाइनल में पहुंचने की रेस से बाहर हो चुकी है। पहले खेलते हुए आकाश टाइगर्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 150 रन बनाए थे। जवाब में शिवम दुबे की कप्तानी वाली टीम ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 151 रन बना लिए।

1 चौका, 5 छक्के और आकाश टाइगर्स से छीना मैच

अंधेरी आर्क्स के कप्तान शिवम दुबे ने 26 गेंद पर नाबाद 45 रन की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 1 चौका और 5 छक्के लगाए। अपनी इस तूफानी पारी से उन्होंने अंधेरी की टीम को अपने दम पर जीत दिला दी। इस जीत के साथ अंधेरी आर्क्स टी20 मुंबई 2026 लीग की पहली फाइनलिस्ट भी बनी। इस मैच में आकाश टाइगर्स के लिए कप्तान सरफराज खान ने 17 गेंद पर 34 रन की पारी खेली थी। आशुतोष घाघरे 4 ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लेने वाले अंधेरी के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने। फिर बल्लेबाजी में अंधेरी की टीम के लिए मुशीर खान खाता भी नहीं खोल पाए और पहली गेंद पर आउट हो गए। नंबर 3 पर आए अर्जुन तेंदुलकर ने भी 11 गेंद पर 13 रन बनाए और निराश किया। मध्यक्रम लड़खड़ा रहा था, फिर अंत में दुबे की बेहतरीन पारी से टीम जीत तक पहुंची और फाइनल में जगह बना ली।

वैभव छक्के नहीं लगा पाए तो क्या, पर चौके लगाने में किसी से कम नहीं

इंडिया ए-अफगानिस्तान ए मैच के बाद सबसे ज्यादा 4-6 लगाने वाले टॉप-5 बैटर

नई दिल्ली। इंडिया ए टीम को श्रीलंका में खेले जा रहे ट्राई सीरीज के दूसरे मैच में अफगानिस्तान ए टीम के हाथों 4 रन से करीबी हार मिली। बारिश से बाधित इस मैच में भारत की किस्मत खराब रही और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारत को 2 अंक का भी नुकसान हुआ और वो अंकतालिका में दूसरे नंबर पर भी आ गया। इस ट्राई सीरीज में दो मैच खेले जा चुके हैं जिसमें भारत के स्टार बैटर वैभव सूर्यवंशी ने एक भी छक्का नहीं लगाया है, लेकिन वो चौके लगाने में किसी से कम नहीं हैं।

इंडिया ए और अफगानिस्तान ए मैच के बाद बात अगर चौके लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले चार नंबर पर तो भारतीय बल्लेबाज ही हैं जिसमें वैभव दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस मुकाबले के बाद अगर बात सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें 3 भारतीय बल्लेबाज मौजूद हैं। छक्के लगाने के मामले में भारतीय बैटर सूर्यांश शेडगे पहले नंबर पर मौजूद हैं तो वहीं दूसरे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ मौजूद हैं।

वैभव माली की जमकर हुई पिटाई, रहाणे की टीम बाहर

तुषार की घातक गेंदबाजी से मराठा रॉयल्स फाइनल में

नई दिल्ली। टी20 मुंबई 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स और सिद्धेश लाड की कप्तानी वाली MSC मराठा रॉयल्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में मराठा रॉयल्स ने तुषार देशपांडे की घातक गेंदबाजी और चिन्मय की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर नॉर्थ मुंबई पैंथर्स को हरा दिया और फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में अब मराठा रॉयल्स का सामना 13 जून को अंधेरी के साथ होगा।

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स और मराठा रॉयल्स के बीच खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मराठा रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद पहली पारी में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने 20 ओवर में 148 रन बनाए और ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में मराठा रॉयल्स ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन बनाकर मैच जीत लिया। तुषार देशपांडे को उनकी शानदार बॉलिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

तुषार देशपांडे की घातक गेंदबाजी

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के खिलाफ मराठा रॉयल्स के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने शानदार बॉलिंग करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट झटके। अथर्व और आदित्य को भी 2-2 सफलता मिली। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए अभिज्ञान कुंडू ने सबसे ज्यादा 40 रन की पारी खेली जबकि आशीष चौधरी ने 33 रन बनाए तो वहीं कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 8 गेंदों पर 11 रन की पारी खेली। रोहित पॉल ने 12 गेंदों पर 21 रन की पारी खेली।

वैभव माली की जमकर हुई कुटाई- नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के गेंदबाज वैभव माली इस सेमीफाइनल में कुछ खास नहीं कर पाए और उन्होंने जमकर रन लुटाए। 4 ओवर में उन्होंने 43 रन दिए और कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि उनकी टीम की तरफ से मोहित अवस्थी और प्रवेश पॉल को 3-3 विकेट जरूर मिले।

संक्षिप्त समाचार

बंद किए गए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय कई भवन और गलियारे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में गुरुवार को कई इमारतों और गलियारों को बंद

कर दिया गया। यह कदम तब उठाया गया, जब भवन की निगरानी प्रणालियों ने वायु गुणवत्ता की समस्या का पता लगाया। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने कहा कि इमारत की निगरानी करने वाली प्रणालियों ने हवा की गुणवत्ता से जुड़ी एक समस्या का पता लगाया है। इसके बाद अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि समस्या क्या है और कितनी गंभीर है। पार्नेल ने बयान में कहा, पेंटागन में इमारत और वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए आधुनिक प्रणालियां लगी हुई हैं। इन प्रणालियों ने हवा की गुणवत्ता से जुड़ी एक समस्या का पता लगाया है। इसकी गंभीरता का पता चलने तक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, विभाग सामान्य सुरक्षा नियमों के तहत काम कर रहा है। इसके तहत प्रभावित इलाके में मौजूद लोगों को वहीं रहने का आदेश दिया गया है। सहायता टीमें मौके पर मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद के लिए तैयार हैं। आर्लिंगटन काउंटी दमकल विभाग ने कहा कि खतरनाक पदार्थ से जुड़ी एक घटना के दौरान उसकी विशेष टीम पेंटागन पहुंची। यह टीम पेंटागन फोर्स प्रोटेक्शन एजेंसी की खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली टीम की मदद कर रही है।

फिलीपींस में भूकंप के बाद गहराया खाद्य संकट, प्रभावित इलाकों तक पहुंच रही राहत

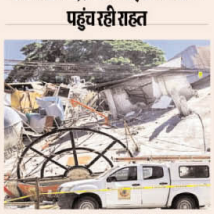

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में आए भूकंप को चार दिन बीच चुके हैं, लेकिन वहां के हालात आज भी सामान्य नहीं हो पाए हैं। हजारों लोगों को राहत शिविर में रहना पड़ रहा है। इसके साथ ही आपदा प्रभावित इलाकों में अब लोगों को खाने और पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। फिलीपींस के कई इलाके ऐसे हैं जहां पर लोगों की मदद के लिए पहुंच पाना प्रशासन के लिए काफी कठिन हो चला है। भूकंप के कारण कई मुख्य सड़कें या तो बाधित हो गई हैं या फिर खराब हो गई हैं। 7.8 तीव्रता के भूकंप ने कई गांवों का संपर्क भी तोड़ दिया है। इसी कारण से प्रशासन को फंसे हुए लोगों की मदद करने में भी समस्या आ रही है। मेयर विवटर जेम्स ने प्रशासन से मांगी वायुसेना की मदद इस प्राकृतिक आपदा में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक सारंगानी का गलान कस्बे है। जानकारी के मुताबिक इस इलाके में राहत कार्य के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसी सिलसिले में इलाके के मेयर विवटर जेम्स याप ने ने सरकार से वायुसेना के हेलीकॉप्टर भेजने की बात कही है। विवटर का कहना है कि उनके क्षेत्र के 31 में से 10 गांव अभी भी भूस्खलन के कारण पूरी तरह के कटे हुए हैं, जिस कारण से वहां राहत सामग्री पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। मेयर विवटर की मानें तो प्रभावित गांवों में लोगों के सामने खाद्य संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग भूख से जूझ रहे हैं और जल्द से जल्द खाद्य सामग्री तथा पेयजल पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों की जरूरत है। सारंगानी में दर्ज की गई सबसे ज्यादा मौतें सारंगानी में अबतक सबसे ज्यादा 20 मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें अधिकांश लोग भूस्खलन की चपेट में आए बताए जा रहे हैं। इसके अलावा जनरल सैंटोस, साउथ कोटाबाटो और दावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांतों में भी भारी भरकम नुकसान हुआ है।

रक्षा सचिव के बाद सशस्त्र बल के मंत्री अल कार्न्स का भी इस्तीफा, बजट पर बढ़ा विवाद; मुश्किल में स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री अल कार्न्स ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने रक्षा निधि और सैन्य तैयारियों को लेकर गहरी चिंताओं का हवाला दिया। इस कदम से राष्ट्रीय सुरक्षा खर्च को लेकर प्रशासन के भीतर मौजूद मतभेद और भी उजागर हो गए हैं। कार्न्स ने अपने इस्तीफे का एलान एक्स पर किया। उन्होंने लिखा कि सरकार ब्रिटेन के सशस्त्र बलों को पर्याप्त समर्थन देने में असफल रही है। उन्होंने लिखा, 'ब्रिटेन की सेवा करने वालों को काम करने के लिए जरूरी उपकरण और काम पूरा होने पर उनके साथ खड़े रहने की वफादारी देना हमारा कर्तव्य है। हम इन दोनों में विफल रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने सरकार में अपना पूरा समय यही बात रखने में बिताया है। वह मेरी बात नहीं सुन रहे हैं, इसलिए मैं सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं।' प्रधानमंत्री को लिखे एक कड़े शब्दों वाले इस्तीफे पत्र में कार्न्स ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि रक्षा मंत्रालय के

भीतर सार्थक सुधारों को आगे बढ़ाने के प्रयास गतिरोध पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लिखा, 'मुझे यह स्पष्ट हो गया है कि जिस बदलाव के लिए मैंने प्रयास किया था, वह नहीं आने वाला है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, मैंने सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' पूर्व रॉयल मरीन कार्न्स ने चेतावनी दी कि ब्रिटेन आधुनिक युद्ध की तेजी से बदलती प्रकृति के अनुकूल ढलने में संघर्ष कर रहा है। यूक्रेन युद्ध जैसे संघर्षों से मिले सबक का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सैन्य खरीद नीतियां अभी भी पुराने खतरों पर केंद्रित हैं।

विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहे

उन्होंने कहा, 'संघर्ष का स्वरूप हमारी खरीद क्षमता से कहीं अधिक तेजी से बदल रहा है। हम अभी भी पिछली लड़ाई के लिए उपयुक्त क्षमता खरीद रहे हैं। वहीं, हमारे विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहे हैं।' कार्न्स ने सरकार की रक्षा निवेश योजना (डीआईपी) की कड़ी आलोचना की। उनका दावा था कि यह उभरती सुरक्षा चुनौतियों के पैमाने को संबोधित करने में विफल रही है। उन्होंने लिखा, 'रक्षा निवेश योजना में मेरी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन इस दूरी के कारण मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि यह हमारे सामने मौजूद खतरे के लिए उपयुक्त नहीं है। यह न तो पर्याप्त रूप से परिवर्तनकारी है और न ही इसके लिए हमारे पास बजट है।' उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से रक्षा चौकी पर खड़े होकर उस निवेश स्तर का बचाव नहीं कर सकता जो मुझे पता है कि इस कार्य के लिए अपर्याप्त है। न कि उस खतरे का जिसका वह सामना करना चाहता है।' कार्न्स ने उत्तरी आयरलैंड लेगेसी बिल की भी आलोचना करते हुए इसे उद्देश्य के लिए अनुपयुक्त बताया और चेतावनी दी कि यह उन दिग्गजों को विफल करने का जोखिम रखता है जिनकी रक्षा के लिए इसे बनाया गया था।उनके इस्तीफे से वैश्विक तनाव बढ़ने और पूरे यूरोप में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच रक्षा नीति और सैन्य वित्तपोषण को लेकर स्टारमर सरकार पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

पीएम मोदी की सराहना

पीओके में हिंसा पर यूके सांसद का बड़ा दावा, पाकिस्तान पर बरसे

लंदन, एजेंसी। लंदन में ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा कथित रूप से गोलीबारी की गई, जिसमें कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में घायल होने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी पूरी तरह निहत्थे थे और वे केवल भोजन वितरण, मानवाधिकार और बुनियादी सुविधाओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रख रहे थे।

ब्रिटिश सांसद ने कहा कि जहां पाकिस्तानी प्रशासन 9 लोगों की मौत की बात कर रहा है, वहीं प्रदर्शनकारियों का दावा है कि 30 से अधिक लोगों की जान गई है और 200 से ज्यादा घायल हुए हैं। उन्होंने इसे गंभीर असंगति बताया और स्वतंत्र जांच की मांग का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में कई ब्रिटिश नागरिक भी मौजूद हैं, जिनके घायल होने की जानकारी सामने आई है, जिससे यह मुद्दा यूके के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है।

बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे को उठाया है और विदेश सचिव से इस पर बयान देने की मांग की है। उन्होंने पाकिस्तान के उच्चायुक्त को तलब कर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि 1947 से पाकिस्तान ने भारत के इस हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है और यह भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि ब्रिटेन की संसद के करीब 30 सांसदों ने विदेश मंत्री को पत्र लिखकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ये सभी सांसद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के समर्थन में माने जाते हैं, यानी वे भारत के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि पाकिस्तान के रुख के समर्थक हैं। इसके बावजूद उनका इस स्थिति

पर चिंतित होना यह दर्शाता है कि यह मुद्दा अब राजनीतिक दलों और विचारधाराओं से ऊपर उठकर गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।

ब्लैकमैन ने आगे कहा कि यदि विदेश मंत्री इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती हैं, तो अगले सप्ताह संसद में इस मुद्दे पर आपातकालीन सवाल उठाया जा सकता है। पश्चिम एशिया की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में पाकिस्तान की भूमिका देखी जा रही है, जिससे क्षेत्रीय समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संघर्षों के बीच संघर्षविराम बार-बार टूट रहा है।

मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा

बॉब ब्लैकमैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है और गुजरात के विकास मॉडल को उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई ताकत बन चुका है और इसका असर वैश्विक कूटनीति पर भी दिख रहा है। ब्रिटिश सांसद ने सुझाव दिया कि भारत को अपनी आर्थिक ताकत का उपयोग करके वैश्विक समुद्री मार्गों और विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने पर जोर देना चाहिए।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका; तेहरान बोला- ये यूएस और इस्राइल के मददगार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं। मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है। ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी। एलन मस्क की कंपनियों को धमकी देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की 'इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था।

ईरान ने ट्रंप के दावों का किया खंडन: कहा- समझौते पर अंतिम फैसला नहीं, यूएस को भारतीय नाविकों की मौत पर भी घेरा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। लेकिन ईरान ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी समझौते पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इसी बीच ओमान के तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले और उसमें भारतीय नाविकों के प्रभावित होने के मुद्दे पर भी ईरान ने अमेरिका की आलोचना की है। इससे पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और कूटनीतिक गतिविधियों पर नई बहस शुरू हो गई है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी अंतिम समझौते की खबरें केवल अटकल हैं। उनके अनुसार तेहरान ने अभी तक किसी भी समझौते पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। बघाई ने कहा कि बातचीत की स्थिति शुरू से स्पष्ट थी और समझौते के मसौदे का बड़ा हिस्सा तैयार भी हो चुका था, लेकिन अमेरिकी पक्ष लगातार अपने रुख में बदलाव करता रहा। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपनी तय लाल रेखाओं और राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करने की नीति अपनाई है। साथ ही उन्होंने बताया कि कतर और पाकिस्तान मध्यस्थ के रूप में सक्रिय हैं, लेकिन अमेरिकी कदम

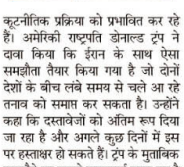

कूटनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ ऐसा समझौता तैयार किया गया है जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को समाप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और अगले कुछ दिनों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप के मुताबिक समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य आधिकारिक रूप से फिर से पूरी तरह खुल जाएगा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार को राहत मिलेगी। हालांकि ईरान के ताजा बयान ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।भारत के विदेश मंत्रालय ने ओमान तट के पास हुए जहाज पर हमले की निंदा की है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की चिंता क्यों बढ़ी?

इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाइयों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले की तुलना में कम सुरक्षित हो गया है। होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान का मानना है कि क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और टकराव से समुद्री सुरक्षा प्रभावित हुई है। बघाई ने चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो इसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार और व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले को लेकर ईरान ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस्माइल बघाई ने कहा कि इस हमले में कम से कम तीन भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं और यह घटना अमेरिका की कथित आक्रामक नीतियों का उदाहरण है। परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका को जवाबदेह ठहराने की मांग की।

एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए।

रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं।

आर-पार के मूड में जनता गोलीबारी के बाद भीड़ को

पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

हमें खेल मत सिखाइए: रूसी तेल पर घेरने वालों को जयशंकर का जवाब

हेलसिंकी, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने फिनलैंड में आयोजित कूत्तारांता वार्ता में रूस से तेल खरीदने को लेकर पश्चिमी देशों की आलोचना का कड़ा जवाब दिया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने साफ कहा कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर फैसले लेता है। जयशंकर ने यह भी संकेत दिया कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूरोप और अमेरिका की नीतियों में कई विरोधाभास रहे हैं, इसलिए भारत को नैतिकता का पाठ पढ़ाने की कोशिश उचित नहीं है। उनके बयान को भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और ऊर्जा रणनीति के मजबूत बचाव के रूप में देखा जा रहा है।

फिनलैंड में 'उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा' विषय पर चर्चा के दौरान एक पत्रकार ने भारत पर रूस के प्रति नरम रुख अपनाने और रूस से तेल खरीदने का आरोप लगाया। इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत ने हमेशा लागत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदा है। उन्होंने बताया कि उस समय यूरोपीय देश मध्य-पूर्व से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, जो भारत का पारंपरिक आपूर्तिकर्ता रहा है। ऐसे में बाजार की परिस्थितियों ने भारत को रूस से तेल खरीदने की दिशा में आगे बढ़ाया।

जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा बदलाव आया था। यूरोपीय देशों द्वारा मध्य-पूर्व के तेल पर अधिक निर्भरता बढ़ाने के कारण भारत के सामने वैकल्पिक स्रोत तलाशने की आवश्यकता पैदा हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने कोई राजनीतिक संदेश देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदा। उनके

अनुसार किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा करना होती है।

विदेश मंत्री ने यूरोप की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं हुआ है, लेकिन भारत ने वर्षों से ऐसे हालात देखे हैं जहां यूरोपीय देशों के हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए गए। जयशंकर ने कहा कि भारत ने कभी यूरोप की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला, इसलिए भारत की चिंताओं को भी समान गंभीरता से समझा जाना चाहिए। उनका यह बयान पश्चिमी देशों की सुरक्षा और नैतिकता संबंधी दलीलों पर सीधा जवाब माना जा रहा है।

जयशंकर ने कहा कि वर्ष 2022 में खुद अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रह सके और तेल की कीमतें नियंत्रण में रहें। उन्होंने कहा कि एक समय रूसी तेल खरीदने पर दबाव बनाया जाता है और दूसरे समय उसी नीति में बदलाव कर दिया जाता है। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी देश समझते हैं कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति कैसे काम करती है और इसे केवल सिद्धांतों या नैतिकता का प्रश्न बताना सही नहीं होगा। उनके इस बयान को अमेरिका और पश्चिमी देशों की बदलती नीतियों पर तीखा कटाक्ष माना जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक संघर्षों से लागत बढ़ रही है और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने के लिए लगातार प्रयास करने चाहिए। कूटनीति के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना समय की जरूरत है।

दुनिया को वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए मिलकर काम करना होगा।

सुरक्षित, मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन को भविष्य की आर्थिक जरूरत बताया।

ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत, अमेरिकी अदालत ने 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ वसूली जारी रखने की दी अनुमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई के बीच ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत मिली है। वॉशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने फैसला दिया है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक अमेरिकी सरकार दुनिया भर से आने वाले सामान पर लगाए गए 10 प्रतिशत टैरिफ की वसूली जारी रख सकती है। अदालत के इस फैसले को ट्रंप प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है, क्योंकि इससे सरकार को फिलहाल अपनी व्यापार नीति लागू रखने का रास्ता मिल गया है। पिछले महीने न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने छोटे कारोबारियों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए इन टैरिफ को अवैध करार दिया था। अदालत की बहुमत पीठ ने माना था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों की सीमा से आगे बढ़कर यह कदम उठाया है। अदालत ने कहा था कि टैरिफ लगाने का यह फैसला कानून द्वारा अधिकृत नहीं था। अपील अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन की दलीलें पहली नजर में मजबूत दिखाई देती हैं और सरकार का पक्ष अंतिम सुनवाई में सफल हो सकता है। इसी आधार पर अदालत ने अंतिम निर्णय आने तक टैरिफ वसूली जारी रखने की अनुमति दे दी। अमेरिका का व्यापार घाटा अंतरराष्ट्रीय भुगतान संबंधी गंभीर समस्या की श्रेणी में आता है या नहीं।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलते हैं ये अनगिनत लाभ

मां गंगा की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। साथ ही, मां गंगा का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष मिलता है। वहीं, ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मां गंगा की पूजा के दौरान या गंगा स्नान के दौरान गंगा में दूध भी चढ़ाना चाहिए। आइये जानते हैं इसके पीछे का महत्व एवं इससे मिलने वाले लाभ।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलती है शिव कृपा
मां गंगा का वास शिव जी की जटाओं में माना गया है। ऐसे में मां गंगा की पूजा से शिव जी भी प्रसन्न हो जाते हैं। साथ ही, मां गंगा में दूध चढ़ाने से उतना ही पुण्य प्राप्त होता है जितना पुण्य शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से मिलता है। गंगा में दूध चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा होती है और व्यक्ति को महादेव का सानिध्य प्राप्त होता है।

गंगा में दूध चढ़ाने से दूर होता है दोष
गंगा में दूध चढ़ाने से ग्रह दोष भी दूर हो जाते हैं। कुंडली में कैसा भी ग्रह दोष क्यों न लग रहा हो, अगर आप उतने सक्षम नहीं है कि ग्रह दोष दूर करने के लिए किसी भी प्रकार की पूजा करवा पाएं तो आप बस गंगा में पूर्ण श्रद्धा से 11 दिनों तक एक छोटी लुटिया में दूध भरकर अर्पित करें। इससे ग्रह दोष से दूर हो जाएगा।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिटते हैं पाप
गंगा में स्नान करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है, लेकिन वहीं अगर गंगा में दूध अर्पित किया जाए तो इससे पीढ़ी दर पीढ़ी से चले आ रहे दोषों एवं पापों का निवारण हो जाता है। व्यक्ति के पूर्वजों और उसकी आने वाली पीढ़ी को मां गंगा की कृपा से पाप चक्र के फल से मुक्ति मिलती है। साथ ही, पुण्यों में वृद्धि भी होती है।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलती है दिव्य ऊर्जा
गंगा में दूध चढ़ाने से सकारात्मकता का संचार होता है और व्यक्ति के भीतर, आसपास या घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। गंगा में दूध अर्पित करने से व्यक्ति के भीतर दिव्य ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति को आध्यात्मिक शक्ति मिलती है जिससे उसकी भक्ति में बढ़ोतरी होती है और शांति प्राप्त होती है।

गायत्री मंत्र का जाप करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

गायत्री मंत्र को समस्त मंत्रों में श्रेष्ठ माना जाता है, यदि आप इस मंत्र का जाप करते हैं तो कुछ नियमों का पालन करना जरूरी माना जाता है। ऐसा करने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

हिंदू धर्म में किसी भी मंत्र के जाप का विशेष महत्व है और हर मंत्र के उच्चारण का विशेष तरीका है। मंत्रों के जाप से मन को शांति मिलती है और शरीर में भी एक अलग ऊर्जा का वास होता है। यदि आप सुबह शाम मंत्रों का जाप नियम पूर्वक करते हैं तो ये कई तरह से लाभदायक होते हैं। इन्हीं मंत्रों में से एक है गायत्री मंत्र। इसके जाप से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और घर में खुशहाली बनी रहती है। गायत्री मंत्र के जाप करने का जीवन में विशेष महत्व है। यही नहीं मान्यता है कि यदि आप नियमित रूप से गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो आपके जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता मिलती है। गायत्री मंत्र वह मंत्र है जो आपके आत्मबल को मजबूत करने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि गायत्री मंत्र का जाप आपको कुछ विशेष नियमों के अनुसार ही करना चाहिए अन्यथा इसके फायदों की जगह नुकसान हो सकते हैं।

तामसिक लोगों को नहीं करना चाहिए गायत्री मंत्र का जाप

यदि आप गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो ध्यान रखें कि आपको मांस-मदिरा या तामसिक भोजन का भोग करके इस मंत्र का जाप नहीं करना चाहिए। गायत्री मंत्र को अत्यंत शक्तिशाली मंत्र माना जाता है और यदि तामसिक जीवन जीने वाले इस मंत्र का जाप करेंगे तो इसके फायदे की जगह नुकसान होने लगेंगे। ऐसा करना मंत्रों का अपमान माना जाता है और आपको इस मंत्र के सकारात्मक फल नहीं मिलते हैं।

बिना स्नान के न करें गायत्री मंत्र

गायत्री मंत्र का जाप हमेशा स्नान करने के बाद ही करना चाहिए। आप इस मंत्र को जिस समय भी पढ़ें ध्यान में रखें कि पहले आप स्नान करके साफ-सुथरे वस्त्रों को धारण करें उसके बाद ही इस मंत्र का जाप करें। कभी भी इस मंत्र का जाप आपको बिना स्नान किए हुए नहीं करना चाहिए और गंदे वस्त्रों को पहनकर भी नहीं करना चाहिए। यदि आप इस मंत्र का जाप इन नियमों से नहीं करते हैं तो यह आपके लिए नुकसान पहुंचा सकता है।

मंत्र जाप में एक ही आसन का में करें प्रयोग

गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको सबसे ज्यादा इस बात का ध्यान रखने की जरूरत होती है कि आपको हमेशा एक ही आसन पर बैठकर मंत्र जाप करना चाहिए। आपको रोज अलग आसन और अलग स्थान पर बैठकर मंत्र जाप नहीं करना चाहिए। यदि आप रोज नए आसन का इस्तेमाल करते हैं तो आपको इसके नुकसान हो सकते हैं और मंत्र जाप का फल भी नहीं मिलेगा। कभी भी अशुद्ध मन से न करें गायत्री मंत्र

कई बार हम पूजा-पाठ या मंत्रों का जाप करते समय मन में कुछ ऐसे ख्याल लाते हैं जो नुकसान पहुंचा सकते हैं। आपको कभी भी अशुद्ध मन से गायत्री मंत्र का जाप नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और आपके बनते काम भी बिगड़ सकते है।

कोशिश करें कि आप अच्छी तरह से मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने के बाद ही इसका जाप करें।

उचित समय पर ही करें गायत्री मंत्र का जाप

आपको हमेशा मंत्र का जाप करते समय सही समय का ध्यान रखना चाहिए। यह मंत्र आमतौर पर दिन के तीन मुख्य समय पर किया जा सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त माना जाता है। आपको हमेशा ब्रह्म मुहूर्त में ही जाप शुरू करना चाहिए और कोशिश करें कि सूर्योदय तक इसका समापन कर दें। इस मंत्र का जाप शाम के समय सूर्यास्त से पहले भी किया जा सकता है।

गलत दिशा में बैठकर न करें गायत्री मंत्र का जाप

शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आप सुबह इस मंत्र का जाप कर रहे हैं तो इसे पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके पढ़ें। ऐसा इसलिए अच्छा माना जाता है क्योंकि सूर्य इसी दिशा से निकलता है और इस दिशा की तरफ बैठकर जाप करने से गायत्री मंत्र के साथ सूर्य की पूर्ण ऊर्जा भी घर में प्रवेश करती है।

रुद्राक्ष की माला से करें मंत्र जाप

गायत्री मंत्र का जाप करते समय यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आप रुद्राक्ष की माला का उपयोग करें। रुद्राक्ष की माला को गायत्री मंत्र जाप के लिए सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। इसके अलावा, आप तुलसी और चंदन की माला का भी उपयोग कर सकते हैं।

गायत्री मंत्र, जिसे वेदों की माता कहा जाता है, का जाप हमारे मन और आत्मा को शुद्ध करने के लिए अत्यंत प्रभावी होता है। इस मंत्र का नियमित जाप करने से मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र का जाप पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है और सूर्य को देवताओं का देवता माना जाता है। इसलिए, पूर्व दिशा में मुख करके जाप करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है। उत्तर दिशा को भी गायत्री मंत्र जाप के लिए शुभ मानते हैं। उत्तर दिशा को ज्ञान और शांति की दिशा माना जाता है। इसके अलावा पश्चिम या दक्षिण दिशा में भी मुख करके गायत्री मंत्र का जाप करना उत्तम फलदायी माना जाता है।

गायत्री मंत्र का जाप करने का महत्व क्या है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को कभी भी स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही अगर आपके जीवन में किसी तरह की कोई परेशानी चल रही है, तो उससे भी छुटकारा मिल जाता है। आप गायत्री मंत्र का कम से कम 108 बार जाप जरूर करें।

गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि का विकास होता है और याददाश्त तेज होती है। गायत्री मंत्र का जाप करने से एकाग्रता बढ़ती है। गायत्री मंत्र का जाप करने से मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। इसके अलावा अगर आप मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं, तो उससे भी छुटकारा मिल जाता है।

रामायण से कैसे बना गायत्री मंत्र? किसने की थी रचना

गायत्री मंत्र का जाप करने से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मानसिक तनाव कम होता है, जीवन में शांति एवं समृद्धि आती है।

गायत्री मंत्र हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली मंत्र है, जिसका विशेष महत्व है। यह मंत्र भगवान सूर्य को समर्पित होता है और आत्मा के शुद्धिकरण, मानसिक शांति, और दिव्य ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रयोग किया जाता है। गायत्री मंत्र का उच्चारण व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। यह मंत्र ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव के तत्वों से जुड़ा हुआ है। इसका उद्देश्य साधक को आत्मज्ञान, तात्विक समझ और ब्रह्मा की साक्षात प्राप्ति की ओर अग्रसर करना है। गायत्री मंत्र का जाप करने से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मानसिक तनाव कम होता है, जीवन में शांति एवं समृद्धि आती है। इस मंत्र के नियमित जाप से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें गायत्री मंत्र की उत्पत्ति के बारे में बताया।

रामायण हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में से एक है, जिसमें भगवान राम और देवी सीता के जीवन की कथा है। इस ग्रंथ में बताया गया है कि कैसे भगवान राम ने रावण जो बुराई का प्रतीक था, उसका वध कर धर्म विजय प्राप्त की। रामायण में कुल सात अध्याय हैं और इसमें लगभग 24,000 श्लोक हैं।

रामायण में एक राजा, आदर्श पिता, आदर्श पुत्र, आदर्श पत्नी, आदर्श भाई और आदर्श सेवक के रूप में रिश्तों और उनके कर्तव्यों का वर्णन किया गया है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण को आदिकाव्य कहा जाता है, जिसमें आदि का अर्थ है प्रथम और काव्य का अर्थ है कविता।

इसी दिव्य रामायण से बना था गायत्री मंत्र जिसकी रचना भगवान श्री राम के कुल गुरु ऋषि विश्वामित्र ने की थी। असल में रामायण में मौजूद 24,000 श्लोकों से ही गायत्री मंत्र को बनाया गया था। रामायण के हर 1000 श्लोकों के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र को रचा गया था।

गायत्री मंत्र ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात में 24 अक्षर हैं। ऐसे में हर हजार श्लोकों के बाद के पहले अक्षर को जोड़ा जाए तो 24 अक्षरों का समूह बनता है और इसी से उत्पत्ति हुई गायत्री मंत्र की जिसे ब्रह्म मुहूर्त में जपना अत्यधिक लाभकारी माना जाता है।

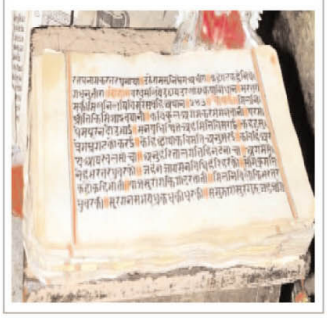

अपनी राशि के अनुसार धारण करें रत्न, बनी रहेगी सुख समृद्धि

रत्नों को लंबे समय से ऊर्जा और भाग्य का शक्तिशाली प्रतीक माना जाता रहा है। ज्योतिष के क्षेत्र में, इन कीमती पत्थरों का एक विशेष महत्व बताया जाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि वे प्रत्येक राशि की अनूठी विशेषताओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़े जाते हैं। इसलिए यदि आप अपनी राशि को ध्यान में रखते हुए रत्नों का चुनाव करती हैं और उन्हें किसी न किसी रूप में धारण करती हैं तो आपकी समृद्धि बनी रहती है।

मेष राशि – अपनी गतिशील ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली उग्र राशि मेष के लिए दो रत्न बहुत ज्यादा लाभदायक हो सकते हैं। पहला मंत्रमुग्ध कर देने वाला माणिक है, यह एक ऐसा पत्थर है जो जुनून और जीवन शक्ति का संचार करता है। यह मेष राशि के लोगों को उनकी आंतरिक शक्ति और साहस को बढ़ाने में मदद करता है। एक अन्य रत्न जिसे मेष राशि का पूरक माना जाता है, जीवंत कार्नेलियन है। यह जेमस्टोन प्रेरणा, रचनात्मकता और आत्म विश्वास जगाता है और मेष राशि वालों को निडरता से नए प्रयासों को शुरू करने के लिए सशक्त बनाता है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के लोग, जो अपनी स्थिरता और जमीन से जुड़े स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। इन लोगों के लिए पन्ना सबसे अव्वल रत्न माना जाता है। यह रत्न प्रेम, विश्वास और समृद्धि को बढ़ावा देता है, जिससे वृषभ राशि के लोग मजबूत संबंध बनाने और प्रचुरता प्रकट करने में सक्षम होते हैं। इसके अतिरिक्त, कोमल गुलाब क्वार्ट्ज वृषभ की भावनात्मक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है।

मिथुन राशि – मिथुन, सामाजिक और बौद्धिक वायु चिह्न, एक्वामरीन की शांत ऊर्जा से लाभ पा सकता है। यह रत्न संचार, स्पष्टता और बौद्धिक खोज को बढ़ावा है, मिथुन राशि वालों को अपने विचारों और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सहायता करता है।

कर्क राशि – भावनात्मक और सहज ज्ञान युक्त कर्क राशि ईश्वर मूनस्टोन से लाभ पा सकती है। यह रत्न चुनौतीपूर्ण समय में शांति की भावना प्रदान करते हुए कर्क राशि की संवेदनशीलता, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक स्थिरता का पोषण करता है। इसके अतिरिक्त, चमकदार मोती प्रेम, पवित्रता और शांति का प्रतीक माना जाता है, जो कर्क राशि के पोषण गुणों को बढ़ाता है।

सिंह राशि – आत्मविश्वासी और करिश्माई सिंह राशि के लिए, दो रत्न अलग दिखते हैं। पहला है सनस्टोन जो सूर्य की उज्ज्वल ऊर्जा को दर्शाता है। यह सिंह राशि के नेतृत्व गुणों, आत्म-अभिव्यक्ति और जीवन शक्ति को बढ़ाता है। सिंह राशि के लिए उपयुक्त एक और रत्न है गोल्डन सिट्रीन। ऐसा माना जाता है कि यह स्टोन बहुतायत और अच्छे भाग्य को आकर्षित करता है, सिंह के चुंबकीय व्यक्तित्व को बढ़ाने में मदद करता है।

कन्या राशि – विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कन्या राशि के लिए, पेरिडॉट एक शक्तिशाली रत्न के रूप में कार्य करता है। यह कन्या की सफलता और सकारात्मक परिवर्तन की इच्छा के अनुरूप है। पेरिडॉट जीवन में स्पष्टता, प्रचुरता और सुरक्षा लाता है, जिससे कन्या राशि के लोग आत्मविश्वास के साथ जीवन को नेविगेट कर सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि जो अपने कूटनीतिक स्वभाव और सुंदरता के साथ प्यार के लिए जानी जाती है। यह दो उत्तम रत्नों के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकती है। इस राशि के लिए नीलम रत्न सबसे ज्यादा शुभ हो सकता है जो निष्पक्षता और संतुलन के लिए मदद करता है। तुला राशि के लिए अनुकूल एक और रत्न है ओपल यह तुला की रचनात्मकता, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक कल्याण को बढ़ाता है।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोग, जो अपनी तीव्रता और परिवर्तनकारी प्रकृति के लिए जाने जाते हैं, शक्तिशाली पुखराज की ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं। यह रत्न सफलता, साहस और जुनून को बढ़ावा देता है, वृश्चिक को बाधाओं को दूर करने और व्यक्तिगत विकास को अपनाने के लिए सशक्त बनाता है।

धनु राशि – साहसी और दार्शनिक धनु राशि के लिए फिरोजा रत्न सबसे शुभ माना जाता है। यह स्वतंत्रता, भाग्य और आध्यात्मिक विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है और धनु राशि को नए अनुभवों को अपनाने और अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। धनु राशि (धनु राशि के लोगों का स्वभाव) के लिए अनुकूल एक अन्य रत्न रहस्यमयी लापीस लाजुली है, जो ज्ञान और सच्चाई का प्रतीक है, जो स्वयं और दुनिया की गहरी समझ को बढ़ावा देता है।

मकर राशि – मकर राशि के लिए पारंपरिक भाग्यशाली रत्न गार्नेट है। ऐसा माना जाता है कि गारनेट मकर राशि से जुड़े सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है, जैसे महत्वाकांक्षा, अनुशासन और व्यावहारिकता। यह भी कहा जाता है कि यह सुरक्षा प्रदान करता है और समग्र जीवन शक्ति को बढ़ाता है। गार्नेट पहनने या धारण करने से मकर राशि वालों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लिए पारंपरिक भाग्यशाली रत्न नीलम है। नीलम एक सुंदर बैंगनी क्वार्ट्ज क्रिस्टल है जो कुंभ राशि से जुड़े सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है जैसे कि बौद्धिकता, अंतर्ज्ञान और मानवतावाद। ऐसा कहा जाता है कि यह दिमाग को उत्तेजित करता है, विचारों की स्पष्टता को बढ़ावा देता है और आध्यात्मिक विकास में सहायता करता है। ऐसा माना जाता है कि नीलम कुंभ राशि के व्यक्तित्व में संतुलन और सामंजस्य लाता है। नीलम पहनने या धारण करने से कुंभ राशि वालों को अपनी अनूठी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलती है।

मीन राशि – दयालु और कल्पनाशील मीन राशि के लिए, एक्वामरीन एक शक्तिशाली रत्न के रूप में कार्य करता है। यह मीन राशि वालों के अंतर्ज्ञान, आध्यात्मिक जागरूकता और भावनात्मक स्पष्टता को बढ़ाता है, जिससे उनकी भावनाओं की गहराई को नेविगेट करने में सहायता मिलती है।